वर्ष 24, अंक 207, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 5 फरवरी 2026 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्या ट्रेड डील के बाद एक्स्ट्रा टैरिफ नहीं लगा सकता अमेरिका

नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि भारत से आने वाले कई उत्पादों पर अमेरिकी टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया जाएगा. इसे भारत के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है,

क्योंकि ऊंचे टैरिफ के चलते भारतीय सामान अमेरिकी बाजार में महंगे हो रहे थे. ट्रंप ने यह भी कहा कि भारत ने कुछ अहम शर्तों पर सहमति जताई है, जिनमें टैरिफ और नॉन-टैरिफ बैरियर घटाना और अमेरिका से बड़े पैमाने पर खरीद शामिल है, लेकिन साथ ही कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं. क्या यह राहत स्थायी है या अस्थायी? क्या डील के बाद भी अमेरिका एक्स्ट्रा टैरिफ लगा सकता है? और भारत ने बदले में क्या-क्या वादे किए हैं? चलिए समझें.

भारत की ओर से क्या प्रतिक्रिया आई?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर टैरिफ घटाने की खबर का स्वागत किया और इसे भारत के लिए अच्छी खबर बताया. उन्होंने कहा कि इससे ह्यमेड इन इंडियाह्न उत्पादों को फायदा होगा. हालांकि भारत सरकार की ओर से अभी तक यह साफ नहीं किया गया है कि किन शर्तों को स्वीकार किया गया है और किन मुद्दों पर बातचीत जारी है. यानी अमेरिकी दावों और भारतीय पुष्टि के बीच अभी भी कुछ बातें अधूरी हैं.

टैरिफ और नॉन-टैरिफ बैरियर का मतलब क्या है?

टैरिफ बैरियर यानी आयात पर लगाया जाने वाला सीधा टैक्स, जिससे विदेशी सामान

महंगा हो जाता है. वहीं नॉन-टैरिफ बैरियर नियमों, लाइसेंस, मानकों, कोटा और कागजी प्रक्रियाओं के जरिए व्यापार को सीमित करते हैं. ये दिखने में टैक्स नहीं होते, लेकिन व्यापार पर इनका असर उतना ही गहरा होता है. ट्रंप का कहना है कि भारत इन दोनों तरह की रुकावटों को लगभग शून्य करने पर राजी हुआ है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है.

क्या ट्रेड डील के बाद अमेरिका एक्स्ट्रा टैरिफ लगा सकता है?

अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों के मुताबिक, अगर कोई ट्रेड डील औपचारिक रूप से लागू हो जाती है, तो एक तरफा टैरिफ बढ़ाना आसान नहीं होता है. फिर भी अमेरिका जैसे देश के पास कुछ कानूनी विकल्प होते हैं. राष्ट्रीय सुरक्षा, घरेलू उद्योगों को नुकसान या अनुचित व्यापार व्यवहार का हवाला देकर वह विशेष परिस्थितियों में अतिरिक्त शुल्क लगा सकता है. ऐसे मामलों में अक्सर विवाद विश्व व्यापार संगठन यानी हळड तक पहुंचता है.

डील कितनी पक्की और कितनी लचीली?

रिपोर्ट्स बताती हैं कि अभी यह डील इन-प्रिंसिपल समझ के स्तर पर ज्यादा दिखती है. यानी दोनों देश टैरिफ घटाने और व्यापार बढ़ाने पर सहमत हैं, लेकिन किन उत्पादों पर, कितने समय के लिए और किन शर्तों के साथ- यह सब पूरी तरह स्पष्ट नहीं है. जब तक लिखित समझौता सार्वजनिक नहीं होता, तब तक इसमें बदलाव की गुंजाइश बनी रहती है.

भारत के लिए फायदे और चुनौतियां

अगर टैरिफ वाकई घटते हैं, तो भारत के टेक्सटाइल, फार्मा, इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बड़ा फायदा मिल सकता है. दूसरी ओर, अमेरिका से बड़े पैमाने पर आयात बढ़ने से घरेलू उद्योगों पर दबाव भी आ सकता है.

ऐसे में भारत के लिए संतुलन बनाना जरूरी होगा, ताकि व्यापार बढ़े लेकिन घरेलू अर्थव्यवस्था कमजोर न पड़े।

'रेयर अर्थ कॉरिडोर से मिलेंगी नौकरियां, सरकार ने पेश किया भविष्य का बजट'

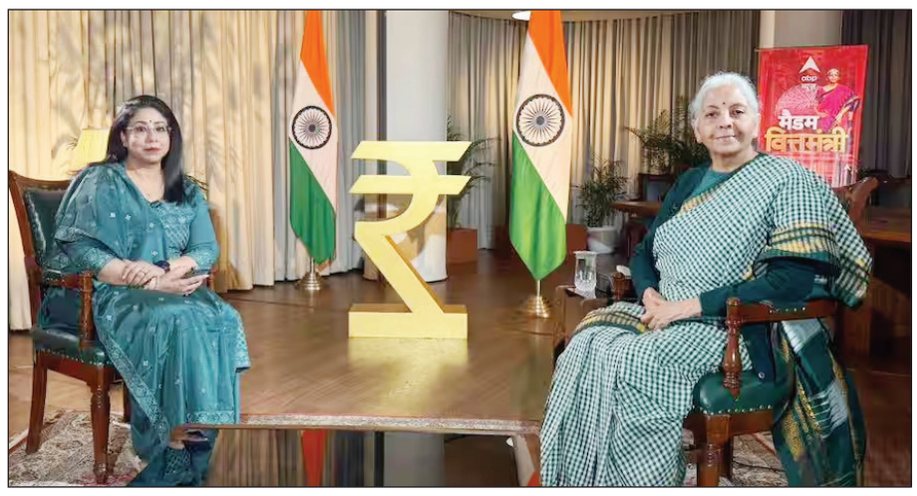

नई दिल्ली

भारत अमेरिका ट्रेड डील को जहां एक तरफ सरकार बड़ी उपलब्धि बता रही है तो वहीं विपक्ष इसे किसानों पर हमला बता रही है.

आयकर पर पिछले साल का फायदा इस साल मिल रहाः वित्त मंत्री

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, 'हमने आयकर में जो पिछले साल छूट दिया उसका फायदा इस साल से होगा उससे पहले मैं इनकम टैक्स में फिर से छूट कैसे दूं. अगर मैं हर व्यक्ति का 7.76 लाख रुपये से 8 लाख तक किया तो आप बोल सकते हैं

कि 9 तक करें 10 तक करें. 4 लाख से सीधा इतना छूट देने के बाद कैसे इस साल भी इनकम टैक्स में छूट दूं.'

हमारी अर्थव्यस्था काफी मजबूतः सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'हमारी अर्थव्यस्था इस वक्त बहुत मजबूत है. आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक ने कहा कि भारत की ग्रोथ बहुत अच्छी है.'

रेयर अर्थ कॉरिडोर से मिलेंगी नौकरियां- वित्त मंत्री

निर्मला सीतारमण ने कहा, 'रेअर अर्थ कॉरिडोर ने नौकरियां मिलेंगी. हमारी सरकार ने टरटए के लिए कई मजबूत फैसले लिए. 7 ऐसे सेक्टर हैं, जिनका भारत को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण रोल है.'

भारत में बैंकिंग की स्थिति मजबूत- सीतारमण

निर्मला सीतारमण ने कहा, 'भारत में बैंकिंग की स्थिति मजबूत है. हर स्कीम में देश की जनता की भागीदारी जरूरी है. सरकार का मकसद छोट उद्योग को बढ़ाना है. आत्मनिर्भरता हमारी प्राथमिकता है.'

हमारे देश में महंगाई कंट्रोल में है- सीतारमण

निर्मला सीतारमण ने कहा, 'हर राज्य की क्षमता पर खर्च निर्भर करता है. आयकर पर पिछले साल की फायदा इस साल मिल रहा है. हमारे देश में महंगाई कंट्रोल में है.'

हमने 25 साल की प्लानिंग की है- निर्मला सीतारमण

बजट को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 'हम जितना बजट देते हैं वो पूरा इस्तेमाल होता है. सरकार ने भविष्य का बजट पेश किया है. हमने 25 साल की प्लानिंग की है।

रुपये में कमजोरी और तेल में तेजी के बीच मजबूती के साथ बंद बाजार

नई दिल्लीः आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनियों में तेज गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर बाजार बुधवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ. बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 78.56 अंक यानी 0.09 प्रतिशत चढ़कर 83,817.69 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई का निफ्टी 48.45 अंक यानी 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,776 अंक पर पहुंच गया. कारोबार के दौरान सेंसेक्स 83,947.53 के उच्च स्तर तक गया, जबकि 83,119.95 के निचले स्तर को भी छू लिया, जिससे दिनभर में करीब 828 अंकों का उतार-चढ़ाव देखने को मिला.

बाजार की धारणा पर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का असर रहा. इसके बावजूद चुनिंदा शेयरों में खरीदारी से सूचकांक हल्की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे. सेंसेक्स की कंपनियों में इटर्नल, ट्रेंट, एनटीपीसी, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और मारुति सुजुकी प्रमुख रूप से लाभ में रहीं.

वहीं दूसरी ओर आईटी सेक्टर में भारी बिकवाली देखने को मिली. इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए।

पीएम का लोकसभा में भाषण टला, हंगामे की वजह से स्थगित हुई पूरे दिन की कार्यवाही

नई दिल्ली

सदन में विपक्ष के हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण भी टल गया है. प्रधानमंत्री मोदी को आज शाम 5 बजे धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था. इससे पहले सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला, जिसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सदन की कार्यवाही 12 बजे, फिर 2 बजे, और इसके बाद शाम पांच

बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी.

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, 'वह (पीएम मोदी) डर गए और इसीलिए वह सदन में नहीं आए. केंद्रीय रेल मंत्री और बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे बुलेट ट्रेन की तरह भाग गए.'

राहुल गांधी के बयान पर रवनीत बिट्टू का जवाब

वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तरफ से की गई टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी उन पर शारीरिक रूप से हमला करने वाले थे.

न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा, 'आज तो कोई गली का गुंडा भी ऐसा नहीं करेगा जैसा राहुल गांधी ने किया।

उत्तराखंड : 19.79 लाख लोग वोटर लिस्ट से बाहर!

उत्तराखंड

उत्तराखंड में मतदाता सूची को दुरुस्त और अद्यतन (अपडेट) करने के लिए चुनाव आयोग की ओर से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से पहले प्री-एसआईआर गतिविधियां जारी हैं. इसी क्रम में प्रदेशभर में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के माध्यम से मतदाताओं की मैपिंग की जा रही है. लेकिन अब तक करीब 19.79 लाख मतदाता इस प्रक्रिया से बाहर हैं, जिससे उनके वोट पर खतरा मंडराने लगा है.

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार,

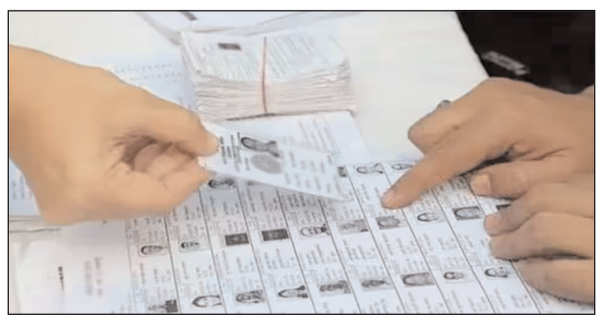

उत्तराखंड में कुल 84,42,263 पंजीकृत मतदाता हैं. इनमें से 64,63,099 मतदाताओं की बीएलओ मैपिंग पूरी हो चुकी है. शेष 19,79,164 मतदाता ऐसे हैं, जिन तक बीएलओ ने कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन चुनाव आयोग की अपील के बावजूद ये लोग मैपिंग प्रक्रिया में शामिल नहीं हुए.

प्री- एसआईआर में मतदाताओं का भौतिक सत्यापन

दरअसल, एसआईआर से पहले प्री-एसआईआर के तहत मतदाताओं का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है, ताकि मतदाता सूची में मृत, स्थानांतरित या फर्जी नामों को हटाया जा सके. शुरूआत में उन मतदाताओं की मैपिंग की गई, जिनका नाम या जिनके परिवार का नाम वर्ष 2003 की उत्तराखंड की मतदाता सूची में दर्ज था. इसके बाद अब उन मतदाताओं की मैपिंग भी की जा रही है, जो वर्तमान में उत्तराखंड में रह रहे हैं, लेकिन जिनका वोट वर्ष 2003 में उत्तर प्रदेश या किसी अन्य राज्य की मतदाता सूची में दर्ज था।

मणिपुर संकट के बीच केंद्र का बड़ा फैसला

राष्ट्रपति शासन हटा, अब भाजपा सरकार संभालेगी कमान

मणिपुर

गृह मंत्रालय ने मंगलवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की अधिसूचना जारी की। भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित एक 'घोषणा' के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मणिपुर राज्य के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 356(2) के तहत जारी की गई घोषणा को निरस्त कर दिया है। पिछली घोषणा 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई थी। राष्ट्रपति द्वारा बुधवार (4 फरवरी, 2026) को हस्ताक्षरित नई घोषणा में कहा गया है कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन वापस ले लिया गया है।

घोषणा में लिखा है कि संविधान के अनुच्छेद 356 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, द्रौपदी मुर्मू, भारत के राष्ट्रपति, उक्त अनुच्छेद के तहत 13 फरवरी, 2025 को मणिपुर राज्य के संबंध में मेरे द्वारा जारी की गई घोषणा को 4 फरवरी, 2026 से निरस्त करता/करती हूं। यह कदम भाजपा द्वारा मंगलवार को दो बार के विधायक युम्नाम खेमचंद सिंह को संघर्षग्रस्त मणिपुर में विधायक दल का नेता घोषित करने और उन्हें राज्य का अगला मुख्यमंत्री नामित करने के एक दिन बाद उठाया गया

है। यह निर्णय भाजपा मुख्यालय में पार्टी के विधायकों की बैठक में लिया गया। शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को होगा। सिंह के दो उपमुख्यमंत्री होंगे, एक कुकी-जो समुदाय से और दूसरा नागा समुदाय से। कांगपोकपी विधायक नेमचा किपगेन को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। गठबंधन सहयोगी नागा पीपुल्स फ्रंट द्वारा जल्द ही नागा उपमुख्यमंत्री के नाम की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। 62 वर्षीय खेमचंद सिंह मैतेई समुदाय के सदस्य और एक इंजीनियर हैं। वे पूर्व बीरेन सिंह सरकार में नगर प्रशासन मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। 2022 में, वे मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में से एक के रूप में उभरे थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले साल 13 फरवरी को मणिपुर के राज्यपाल से संवैधानिक शासन व्यवस्था के टूटने का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की नीतियों से अब गांव के बच्चों को अब मिलेगी कॉन्वेंट स्तर की विश्वस्तरीय शिक्षाः सिंधिया

भोपाल। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज अपने भोपाल-अशोकनगर प्रवास के आखिरी दिन पिपरई में ?32 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले ह्यसांदीपनि सी.एम. राइज स्कूलह्न का उद्घाटन किया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने आज चंदेरी में शिशु मंदिर का भी उद्घाटन किया और माधव महाविद्यालय में अपने पिता स्व. माधवराव सिंधिया सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण एवं नई माधव साइंस कॉलेज बिल्डिंग का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों,

अभिभावकों और छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह विद्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि गाँव के बच्चों के सपनों, संभावनाओं और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

गाँव के बच्चों को समान अवसर

समारोह को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे तक पहुँचे।

उन्होंने कहा कि पिपरई में स्थापित यह स्कूल यह सुनिश्चित करेगा कि गाँव का बच्चा भी वही संसाधन, वही गुणवत्ता और वही अवसर पाए जो देश के बड़े महानगरों के बच्चों को मिलते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी द्वारा इन स्कूलों का नाम ह्यसांदीपनिह्न रखने को अत्यंत सार्थक बताया, क्योंकि महर्षि सांदीपनि भगवान श्री कृष्ण के गुरु थे और ऐसे शिक्षालय बच्चों को सर्व गुण सम्पन्न बनाने की प्रेरणा देंगे।

'कोरियन कल्चर से हमें प्यार है', गाजियाबाद की तीन बहनों ने सुसाइड नोट में क्या कुछ लिखा है?

गाजियाबाद

गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों की कथित सुसाइड मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. जानकारी के मुताबिक, सुसाइड नोट में लिखा है कि कोरियन कल्चर से हमें प्यार है और हमें दूर किया जा रहा है. आपने हमें कोरियन से दूर करने का प्रयास किया. अब आपको पता चल गया होगा कि हम कोरियन से कितना प्यार करते हैं. जानकारी में सामने आया है कि तीनों बहनें कोरियन सॉन्ग, मूवीज, कार्टून, गेम्स और यूट्यूबर्स से प्रभावित थीं.

गेम्स के बारे में भी जानकारी मिली है. लेकिन कोई टास्क बेस्ड गेम्स

नहीं थी. वो गेम्स भी खेलती थी, जो प्ले स्टोर पर होती थी. कोरियन कोई गेम नहीं है. इस सोसाइटी में 3 साल पहले शिफ्ट हुए थे. कोविड के बाद से ही स्कूल नहीं जा रहे थे. पति, 2 पत्नी, 5 बच्चे और साली घर में मौजूद थे.

बिल्डिंग की 9वीं मंजिल से 3 बहनों ने लगाई छलांग

बता दें कि यूपी के गाजियाबाद में मंगलवार (03 फरवरी) देर रात कथित तौर पर तीन नाबालिग सगी बहनों ने बिल्डिंग की 9वीं मंजिल से छलांग लगा दी।

नीट छात्रा कांड के बाद नीतीश सरकार का बड़ा कदम

गर्ल्स हॉस्टल और लॉज के लिए गाइडलाइन जारी

पटना

पटना के नीट छात्रा कांड से सरकार की फजीहत हुई है. इस बीच अब नीतीश सरकार ने बिहार में छात्राओं और कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है. राज्यभर में चल रहे सभी गर्ल्स हॉस्टल और लॉज के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं. इन निदेर्शों के तहत अब हर गर्ल्स हॉस्टल और लॉज का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है. साथ ही, महिलाओं को समान अवसर और सम्मान के साथ सुरक्षित जीवन देने पर विशेष जोर दिया गया है.

24 घंटे महिला वार्डन की नियुक्ति अनिवार्य

नए नियमों के अनुसार, सभी गर्ल्स हॉस्टल और लॉज में 24 घंटे महिला वार्डन की नियुक्ति अनिवार्य

होगी. इसके अलावा वार्डन, गार्ड, रसोइया और सफाईकर्मी समेत सभी कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराना जरूरी होगा. सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए हॉस्टल के मुख्य गेट, गलियारों, डायनिंग एरिया और पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिनकी रिकॉर्डिंग कम से कम 30 दिनों तक सुरक्षित रखनी होगी.

विजिटर रजिस्टर में दर्ज करना होगा नाम-नंबर

हॉस्टलों में पर्याप्त रोशनी, साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था, मजबूत दरवाजे-ताले और खिड़कियों में लोहे की जाली लगाना भी अनिवार्य किया गया है. हॉस्टल में आने-जाने वाले हर व्यक्ति का नाम, मोबाइल नंबर और आधार नंबर विजिटर रजिस्टर में दर्ज करना होगा. कमरों वाले हिस्से में पुरुषों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा. वहीं, रात के समय छात्राओं और स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम लगाने पर भी जोर दिया गया है.

आपात स्थिति से निपटने के लिए हॉस्टलों में 112 नंबर, स्थानीय थाना, महिला हेल्प डेस्क और अभया ब्रिगेड से जुड़ी जानकारी वाले पोस्टर लगाए जाएंगे. छात्राओं को 112 इंडिया ऐप के सुरक्षा फीचर्स के इस्तेमाल की ट्रेनिंग भी दी जाएगी.

बच्चियों और महिलाओं की सुरक्षा से नहीं होगा समझौता

सुरक्षा की निगरानी के लिए पुलिस, महिला हेल्प डेस्क और अभया ब्रिगेड संयुक्त रूप से हॉस्टलों की नियमित जांच करेंगे. किसी भी संदिग्ध या आपराधिक गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बच्चियों और महिलाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सहकारिता योजनाओं की प्रगति को लेकर मंडलीय कार्यालय में समीक्षा बैठक

लक्ष्य न पाने पर होगी कार्रवाई

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मंडलीय कार्यालय प्रयागराज में सहकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा हेतु संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक, सहकारिता प्रयागराज मंडल, श्रीमती सोमी सिंह की अध्यक्षता में एक विस्तृत समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य जनपद की सहकारी संस्थाओं के कार्यों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करते हुए उन्हें और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं लक्ष्यपरक बनाना रहा।

बैठक में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (बी-पैक्स) के कंप्यूटराइजेशन, ऋण वितरण की प्रगति, बकाया ऋण वसूली, ऑडिट एवं बैलेंस शीट की स्थिति, विशिष्ट ऑडिट, क्यूआर कोड के माध्यम से डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने, विविधीकरण योजनाओं के अंतर्गत ऋण वितरण एवं वसूली तथा सहकारी समितियों की संग्रह निधि में वृद्धि के लिए तैयार कार्ययोजनाओं की बिंदुवार एवं गहन समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक श्रीमती सोमी सिंह ने जनपद की समस्त सहकारी समितियों एवं जिला सहकारी बैंक की शाखाओं को ऋण वितरण एवं वसूली के स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए। लक्ष्य के अनुरूप कार्य न होने की स्थिति में संबंधित शाखा प्रबंधकों एवं उत्तरदायी अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई प्रस्तावित करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी सहकारी समितियां अपने लेखा अभिलेख अद्यतन रखें तथा ऑडिट एवं बैलेंस शीट निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कर प्रस्तुत करें। बी-पैक्स के कंप्यूटराइजेशन एवं क्यूआर कोड वितरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में विवेक यादव, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक, जिला सहकारी बैंक की सभी शाखाओं के प्रबंधक, सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) एवं अपर जिला सहकारी अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का समन्वयन अपर जिला सहकारी अधिकारी (बैंकिंग) डॉ. सी.एल. त्रिपाठी द्वारा किया गया। अंत में अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सहकारिता विभाग की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू कर किसानों, पशुपालकों एवं मछली पालकों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

न्यूज झरोखा

ठंड में गरीबों के मसीहा बने कैथी गांव के प्रधान- सुनील

गांव के अस्सी गरीब अशहाय लोगों को किया कंबल वितरित

करछना प्रयागराज विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत कैथी के प्रधान सुनील कुमार ने विगत वर्षों की भांति गांव के गरीब अशहाय लोगों को ठंड से राहत पहुंचाई उन्होंने बुधवार को पंचायत भवन परिसर कैथी गांव में गांव की गरीब अशहाय लोगों में महिला पुरुष को पंचायत भवन सम्मान जनक सभी उपस्थित अस्सी गरीब अशहाय लोगों को ठंड से राहत हेतु कंबल वितरित किए, ठंड में कंबल पाकर गरीब महिलाओं के चेहरे खिल उठे, प्रधान सुनील कुमार ने बताया कि गांव में और लोगों को कंबल दिया जाएगा जिन्हें उसकी सख्त जरूरत है चिन्हित कर और लोगों को कंबल से राहत पहुंचाई जायेगी जिससे गांव की गरीब जनता ठंड से निजात मिल सके इस अवसर पर गांव के गरीब अशहाय लोगों के अलावा कयी गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सहसों में भाजपा का गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान तेज, नए वोटरों के भरे गए फॉर्म

सहसों। भारतीय जनता पार्टी गंगापार के मंडल सहसों अंतर्गत चकिया घरहरा ग्राम सभा में बुधवार को गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रपत्र (एसआईआर) अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा गंगापार के जिला सहसंयोजक (सांस्कृतिक प्रकोष्ठ) धनञ्जय शाश्वत के आवास पर किया गया। अभियान के दौरान नए मतदाताओं के नाम आगामी विधानसभा चुनाव की मतदाता सूची में शामिल कराने के उद्देश्य से फॉर्म संख्या 6 भरवाए गए। वहीं, मतदाता सूची में नाम, पता अथवा अन्य त्रुटियों के संशोधन हेतु फॉर्म संख्या 8 भरकर सुधार की प्रक्रिया भी पूरी की गई। इस अवसर पर लगभग डेढ़ दर्जन नए मतदाताओं के फॉर्म भरवाकर संबंधित बीएलओ को सौंपे गए। कार्यक्रम में अभियान को सफल बनाने हेतु भाजपा मंडल महामंत्री शिवबाबू केसरवानी, मंडल उपाध्यक्ष प्रधान संघ क्रांतिगुरु गणेश वल्लभ, प्रहलाद मोदनवाल, सूरज कुमार बूथ अध्यक्ष महरौड़ा, विद्याधर मिश्रा, आशुतोष शुक्ला, राहुल द्विवेदी सहित दर्जनों ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता रही। ग्रामीणों से अपील किया गया कि वे लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूची में अपने नाम की जांच अवश्य करें तथा योग्य नए मतदाताओं को सूची में शामिल कराने में सहयोग करें।

शुआट्स की सर्वोच्च संस्था ह्यसीनेटह्न ने लिया निर्णय

- ग्रान्ट-इन-एड के समस्त कर्मचारी वर्तमान पदों पर सेवाएँ देते रहेंगे
- प्रमुख सचिव के निर्णय को न्यायालय में दी जायेगी चुनौती,
- 10 विभागों को बंद करने व 53 शिक्षकों को हटाने का निर्णय बरकरार

प्रयागराज। शुआट्स में ग्रान्ट-इन-एड पर कार्यरत कर्मियों के नियुक्ति एवं 53 बर्खास्त शिक्षकों को बहाल किये जाने के संबंध में प्रमुख सचिव, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, उ0प्र0 के 3 फरवरी 2026 का आदेश विश्वविद्यालय की सीनेट की बैठक में बुधवार 4 फरवरी को प्रेषित किया। साथ ही प्रकरण में मा. उच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील की कानूनी राय भी प्रेषित की गई। सीनेट की बैठक में शासनादेश संख्या 1909/67-कृशिअ-18-3012/2003 दिनांक 16.08.2018 पर विचार किया गया जिसमें स्पष्ट है कि ग्रान्ट-इन-एड पर कार्यरत कार्मिक, विश्वविद्यालय के कर्मचारी हैं और सरकारी कर्मचारियों की श्रेणी में नहीं आते हैं। शासन द्वारा सभी अनुदान विश्वविद्यालय को दिए गए हैं और विश्वविद्यालय ही ऐसे पदों पर नियुक्तियाँ करने के लिए अधिकृत है। इसलिए, राज्य सरकार के इस आदेश का ग्रान्ट इन एड पर कार्यरत कार्मिकों के विश्वविद्यालय के कर्मचारी बने रहने की स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। इस सरकारी आदेश का प्रभाव केवल सरकारी वेतन भुगतान तक सीमित है। ग्रान्ट-इन-एड पर कार्यरत 222 कर्मचारी, विश्वविद्यालय के कर्मचारी बने रहेंगे और अपने वर्तमान पदों पर सभी शक्तियों और जिम्मेदारियों के साथ अपनी सेवाएँ देते रहेंगे। प्रमुख सचिव के निर्णय दि0 03.02.2026 को कानूनी राय के परिप्रेक्ष्य में मा0 उच्च न्यायालय में चुनौती दी जायेगी। सीनेट ने 10 विभागों को बंद करने व 53 शिक्षकों को हटाये जाने के अपने फैसले दि0 28.03.2025 को बरकरार रखा है। चूँकि सीनेट का दि0 28.03.2025 के निर्णय को उच्च

दरवाजे से गोबर हटाने की बात पर पड़ोसियों ने मारा पीटा मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। दरवाजे से गोबर हटाने को कहने पर पड़ोसियों ने पिता व पुत्र एवं पुत्री को मारे पीटे और जाति सूचक गालिया दी गई।पुलिस ने तहरीर के आधार पर सात के खिलाफ एस सी एस टी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिसवां निवासी प्यारेलाल पुत्र मंगरू का आरोप है कि दरवाजे से गोबर हटाने को लेकर पड़ोसियों ने उसे और उसके पुत्र सौरभ तथा पुत्री सुधा को मारे पीटे और जाति सूचक गालियां भी दी गई।प्यारे लाल ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर राम कैलाश पटेल,राम सुमेर, आजाद,बचऊ का दामाद चंदन,बचऊ,किताबुन निशां, रोशनी के खिलाफ एससी एसटी एक्ट सहिय विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

बारा विधायक डॉ. वाचस्पति ने प्रेसवार्ता में रखी अपने चार साल के विकास कार्यों की पूरी रिपोर्ट

अखंड भारत संदेश

जसरा। यमुनानगर क्षेत्र अंतर्गत बारा विधानसभा से विधायक डॉ. वाचस्पति ने बुधवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के गौहनिया में आयोजित जन्मोत्सव सम्मान समारोह एवं प्रेसवार्ता के दौरान आगामी चुनावों को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। इस अवसर पर उन्होंने न केवल आने वाले चुनाव को लेकर अपनी मंशा स्पष्ट की, बल्कि अपने अब तक के कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी भी मीडिया के समक्ष प्रस्तुत की। प्रेसवार्ता के दौरान विधायक डॉ. वाचस्पति ने कहा कि उन्होंने अपने पूरे कार्यकाल में बारा विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और जनसुविधाओं के क्षेत्र में लगातार कार्य कराए गए हैं, जिनका लाभ सीधे आम जनता को मिला है। डॉ. वाचस्पति ने बताया कि विधायक निधि के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र में कुल दो सौ पचास मार्गों का निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण कराया गया। इसके अतिरिक्त पूर्वांचल विकास निधि के अंतर्गत बासठ मार्गों पर निर्माण कार्य संपन्न कराया गया। त्वरित योजना के माध्यम से सात मार्गों का निर्माण कराया गया, जबकि राज्यांश योजना के तहत चार मार्गों पर कार्य कराए गए।

उन्होंने आगे बताया कि नगर पंचायत के परियोजना प्रबंधक के माध्यम से नौ मार्गों का निर्माण कराया गया। वहीं वर्ष दो हजार बाईस से लेकर दो हजार छब्बीस तक चलाए गए विशेष मरम्मत एवं गड्ढा-मुक्त अभियान के अंतर्गत तीन सौ पचानवे मार्गों की मरम्मत कर उन्हें गड्ढा-मुक्त किया गया। इसके अलावा मंडी समिति के माध्यम से भी दस मार्गों का निर्माण कराया गया है। प्रेसवार्ता में विधायक ने बताया कि क्षेत्र में प्रकाश

व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर एक सौ नौ सोलर लाइटें स्थापित की गईं। साथ ही प्रमुख चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर तिरानवे हाई मास्ट लाइटें लगाई गईं, जिससे रात्रिकालीन आवागमन में लोगों को सुविधा मिली। जनसुविधाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि आम जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से क्षेत्र में सत्तावन वाटर कूलर स्थापित कराए गए हैं, जिससे राहगीरों, मरीजों और आम नागरिकों को राहत मिली है। स्वास्थ्य एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों पर प्रकाश डालते हुए विधायक डॉ. वाचस्पति ने कहा कि गंभीर बीमारी से पीड़ित एवं आर्थिक रूप से कमजोर तीन सौ उनहत्तर व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस मद में कुल सात करोड़ चौदह लाख निन्यानवे हजार पाँच सौ बासठ रुपये की धनराशि संबंधित जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई गई। प्रेसवार्ता के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए विधायक डॉ. वाचस्पति ने यह भी कहा कि उन्होंने हमेशा जनता की सेवा को अपना धर्म समझा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आने वाले चुनाव में यदि जनता चाहेगी और पुनः एक बार सेवा करने का अवसर देगी, तो वे पहले से भी अधिक ऊर्जा, प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ बारा विधानसभा के विकास के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका विश्वास जनता पर है और जनता ही उनका भविष्य तय करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अब तक कराए गए विकास कार्य स्वयं उनकी कार्यशैली का प्रमाण हैं और आगे भी विकास की यह श्रृंखला लगातार जारी रहेगी। उक्त बातें विधायक डॉ वाचस्पति ने समाजसेवी अर्पित जायसवाल के द्वारा आयोजित उनके भांजे के जन्मोत्सव एवं सम्मान समारोह में प्रेसवार्ता के माध्यम से कही, मौके पर विधायक प्रतिनिधि विजय कुमार निषाद श्यामू, मीडिया प्रभारी नीरज केसरवानी, अर्पित जायसवाल,नितेश निषाद, भाई लाल जायसवाल, अमन पांडेय, सुनील जायसवाल, इंद्रजीत पासी, स्थानीय लोग एवं मीडिया के दर्जनों प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बीआरसी सोरांव में पांच दिवसीय समग्र शिक्षा अभियान प्रशिक्षण हुआ

खंड शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुआ नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

सोरांव। बी आर सी सोरांव में नोडल शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ जो 29 जानवरी से प्रारम्भ हुआ और 3 फरवरी तक चला। प्रशिक्षण का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी सोरांव सुमन मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्वलित किया गया। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान कुल 48 प्रशिक्षुकों को समावेशी शिक्षा के विषय में एवं दिव्यांग बच्चों को नियमित स्कूल, शैक्षिक गुणवत्ता तथा शासन के लाभों को बताया। वहीं टीएलएम की शैक्षिक उपयोगिता पर विशेष चचाएँ की गई। मनोरंजन देवी व दिलीप तिवारी ने भारतीय पुनर्वास परिषद, दिव्यांगता की शैक्षिक गुणवत्ता टीएलएम की उपयोगिता, दिव्यांग सरकारी लाभों व शैक्षिक गुणवत्ता की उपयोगिता पर विस्तार से चचाएँ की गई।

सड़क किनारे खड़ी महिला को ट्रक ने रौदा, इलाज के दौरान मौत

फूलपुर। घर के सामने सड़क पार करने के लिए खड़ी महिला को तेज रफ़्तार अनियंत्रित ट्रक ने रौद दिया जिससे महिला गंभीरावस्था मे सड़क पर ही तड़पने लगी। ग्रामीणों की मदद से परिजनों ने गंभीर रूप से घायल महिला को निजी वाहन से सीएचसी फूलपुर ले गए जहां से चिकित्सकों ने एसआरएन के लिए रेफर कर दिया। वहीं शहर में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। फूलपुर थाना क्षेत्र के इफको पुलिस चौकी अन्तर्गत चक अब्दुल करीम उर्फ पूरे भुलई गावं निवासी आशा देवी 50 पत्नी रामनरेश विश्वकर्मा बुधवार दोपहर करीब एक बजे अपने घर के सामने ही सड़क के किनारे खडी. थी तभी सामने से आ रही ट्रक ने महिला को रौद दिया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गई। घटना से गांव मे हडकंप मच गया। मौके पर जुटे ग्रामीणों की मदद से परिजन घायल महिला को सीएचसी फूलपुर ले गए जहां से चिकित्सकों ने शहर के लिए रेफर कर दिया वहीं एस आर एन में इलाज के दौरान महिला

की दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों ने ट्रक चालक को पकड़कर पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुचीं पुलिस ने चालक को ट्रक सहित थाने पर उठा ले गई। मृतक महिला के चार पुत्र व एक बेटी है। घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

विधायक ने ब्यक्त की शोक संवेदना

घटना मे मृतक महिला आशा देवी के परिजनों से फूलपुर विधायक दीपक पटेल ने फोन पर बात अपनी संवेदना ब्यक्त की और परिवार की हर संभव मदद का भरोसा दिया।

जरूरत मंदों की मदद ईश्वर की सेवा के समान हैं : बीएसए

सौ जरूरत मंदों को कंबल वितरण किया गया

अखंड भारत संदेश

जसरा। अगर हम सक्षम है तो समाज के जरूरत मंदों की मदद अवश्य करना चाहिए।नर सेवा नारायण सेवा हैं। इससे पुनीत कार्य हो ही नहीं सकता है। उपरोक्त बातें जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज अनिल कुमार ने ब्लाक संसाधन केंद्र जसरा घूरपुर प्रयागराज में सतीश इंटरप्राइजेज नारीबारी द्वारा आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में कहीं। खंड शिक्षा अधिकारी जसरा अखिलेश वर्मा ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला समन्वयक समेकित शिक्षा विकास पाण्डेय को पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समाजसेवी सतीश कुमार ने उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया इस

अवसर पर सौ जरूरत मंद महिलाओं, वृद्धजनों को कंबल वितरण किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा ने कहा कि सतीश कुमार द्वारा जरूरत मंदों की यह पहल अनुकरणीय है।इस तरह की पहल समाज में अवश्य होनी चाहिए।इस अवसर पर एआरपी श्रीनारायण मिश्र, अरविंद सैनी, पंकज साहू, महेंद्र निषाद, मयंकधर द्विवेदी,मोहम्मद तारिक, दुर्गेश अग्रहरि, आदित्य, अभिषेक, ज्ञानेंद्र, शैलेश, मोहम्मद आशिक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन भारतेन्द्र त्रिपाठी ने किया।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में 31 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

मांडा। लाल बहादुर शास्त्री पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के 31 डिप्लोमा छात्रों का चयन विभिन्न कंपनियों में हुआ है। हालांकि, कम मासिक वेतन के कारण अभिभावकों में मायूसी है, जबकि कॉलेज स्टाफ इस उपलब्धि को लेकर सुर्खियां बटोर रहा है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड, औरंगाबाद ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 14 छात्रों का चयन 15,000 रुपये मासिक वेतन पर किया। वहीं, एसकेएच मेटल्स लिमिटेड ने मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 12 छात्र-छात्राओं को 15,800 रुपये मासिक वेतन पर नियुक्ति के लिए चुना। सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए एसके सर्वेयर्स प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई द्वारा आयोजित चयन प्रक्रिया में 5 छात्रों का चयन 19,750 रुपये मासिक वेतन पर हुआ।

कार्यक्रम की सफलता पर संस्थान के प्रधानाचार्य इंजी. रजनीश उपाध्याय ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दूसरी ओर, अभिभावकों में चयनित छात्रों को मिलने वाले वेतन को लेकर मायूसी छाई हुई है। उनका मानना है कि मजदूरी और किसानी से अर्जित अपनी गाढ़ी कमाई बच्चों की पढ़ाई में लगाने के बाद भी उन्हें एक अनपढ़ के बराबर की मजदूरी मिल रही है। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक एवं कर्मचारी भार्गव प्रकाश मौर्या, पवन केशरी, अमरेन्द्र प्रताप सिंह, सुनिल कुमार तथा अभय सिंह आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस की मनरेगा बचाव संग्राम चौपाल में भाजपा पर रोजगार और मताधिकार छीनने का आरोप

सहसों। कांग्रेस पार्टी गंगापार के कार्यकताओं द्वारा सहसों के कांदी गांव में बुधवार को मनरेगा बचाव संग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कांग्रेस गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि भाजपा सरकार महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह जीरामजी बिल लाकर जनता के अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे गरीबों की दो वक्त की रोटी छीनी जा रही है।

अशफाक अहमद ने कहा कि पहले मनरेगा के तहत ग्रामीण जनता और महिलाओं को 100 दिनों का रोजगार मिल जाता था, लेकिन नए अधिनियम में सभी को रोजगार मिल

पाना संभव नहीं होगा। इससे गरीब, मेहनतकश मजदूरों और बेरोजगारों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने चहेते लोगों को काम देगी और बाकी लोगों को इससे वंचित रखा जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि एसआईआर के माध्यम से भाजपा अपने पसंदीदा लोगों के नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने और विशेष जाति, धर्म व संप्रदाय से जुड़े लोगों के नाम मतदाता सूची से हटवाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे सतर्क और सावधान रहते हुए 6 फरवरी के भीतर अपने-अपने नामों की सावधानीपूर्वक जांच कर आवश्यक समायोजन कराएं। कांग्रेस पार्टी हर कदम पर जनता की मदद के लिए उनके साथ खड़ी है। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव सुनील पाण्डेय ने किया तथा अध्यक्षता रितेश पासी ने की। चौपाल में विधानसभा प्रभारी देवराज उपाध्याय, डॉ. अमर सिंह पटेल, लाल बहादुर, राम कैलाश, आकाश कुमार, निर्मला देवी, हरिभान सिंह सिंगरौर, उर्मिला सिंह, शीला देवी, दीपिका, सुनीता देवी, सरिता देवी, पूजा देवी, अंजना देवी, कमला देवी, मीना देवी, फूलचन्द्र, विमला देवी, हीरावती देवी, संगीता देवी, गेंदा देवी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जान से हत्या कर देने की धमकी, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। ग्राम सराय अतन उर्फ नौगिरा निवासी शिवकुमार पुत्र स्वर्गीय विजय बहादुर का आरोप है कि पड़ोसी ने छह माह के अन्दर जान से मार डालने की धमकी दी है। शिवकुमार ने मऊआइमा थाने में बृजेश कुमार, सचिन कुमार, हिमांशु कुमार, प्रियांशु कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम ड्राइविंग लाइसेंस में बनवारी लाल (BANWARI LAL) और पिता का नाम नन्हे लाल (NANHEY LAL) है जो कि गलत है। मेरा सही और शुद्ध नाम आधार कार्ड में बनवारी लाल (BANWARI LAL) और पिता का नाम नन्हें लाल (NANHE LAL) है जो कि सही है। मुझे (BANWARI LAL) पुत्र (NANHE LAL)के नाम से जाना व पहचाना जाये। **बनवारी लाल पुत्र श्री नन्हे लाल, निवासी - नवाबपुर उर्फ खानपुर, मऊआइमा प्रयागराज। दिनांक 05/02/2026**

पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश पप्पू की मौत, सराफा कारोबारी से की थी लूट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पुलिस मुठभेड़ में घायल पप्पू सोनकर की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने हार्ट अटैक से मौत की आशंका व्यक्त की है। एक सप्ताह पहले करछना इलाके में सराफा कारोबारियों से लूट के मामले में वांछित पप्पू सोनकर और अरविंद सोनकर पुलिस से मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गए थे। पुलिस ने दोनों बदमाशों को एसआरएन अस्पताल में भरती कराया गया था। पप्पू सोनकर पर हत्या का प्रयास, लूट, मारपीट, मादक पदार्थ की तस्करी समेत कुल 35 आपराधिक मामले दर्ज थे। पुलिस के मुताबिक, करछना के मझुआ नहर के पास सराफ कारोबारी चंदन सोनी को गोली मारकर बाइक सवार बदमाशों ने सोने-चांदी का बैग लूट लिया था। वहीं, तेवरिया की पुलिया के पास कविता विश्वकर्मा से स्कूटी, चांदी व नकदी लूट की वारदात हुई थी। पप्पू सोनकर ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दोनों वारदातों को अंजाम दिया था। जिसके बाद 28 जनवरी की रात करछना पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने पप्पू सोनकर और अरविंद सोनकर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। इस मुठभेड़ में गोली लगने से दोनों अपराधी घायल हुए थे। दोनों को एसआरएन अस्पताल भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान सीने में दर्द से उसकी तबीयत बिगड़ने पर वेंटीलेटर पर रखा गया, लेकिन बुधवार को उसकी मौत हो गई। इसकी जानकारी होते ही एसीपी करछना सुनील सिंह समेत कई थानों की पुलिस टीम पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम को भेज दिया। वर्जन : पुलिस मुठभेड़ में घायल हिस्ट्रीशीटर पप्पू सोनकर की हॉट अटैक से मौत होने की आशंका है। पोस्टमॉर्टम होने के बाद मौत की वजह स्पष्ट होगी। पूरे मामले की जांच का निर्देश दिया गया है। - विवेक चंद्र यादव, डीसीपी यमुनानगर।

रेलवे का बड़ा फैसला, सीनियर गुड्स से पैसेंजर ट्रेन मैनेजर बनने पर अब मिलेगा इंक्रीमेंट का दोहरा लाभ

प्रयागराज। भारतीय रेलवे ने अपने रनिंग स्टाफ, विशेषकर मालगाड़ियों के हजारों ट्रेन मैनेजरों (गार्ड्स) को एक बड़ी सौगात दी है। रेलवे बोर्ड के नए आदेश के अनुसार, अब सीनियर गुड्स ट्रेन मैनेजर से सीनियर पैसेंजर ट्रेन मैनेजर के पद पर पदोन्नत होने वाले कर्मचारियों को एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि (इंक्रीमेंट) का लाभ दिया जाएगा। यह निर्णय उन हजारों कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है जो लंबे समय से समान पे-ग्रेड होने के कारण वित्तीय नुकसान झेल रहे थे। अभी तक की व्यवस्था में सबसे बड़ी समस्या यह थी कि सीनियर गुड्स ट्रेन मैनेजर और सीनियर पैसेंजर ट्रेन मैनेजर दोनों का पे-बैंड और ग्रेड-पे अक्सर एक समान होता था। इस तकनीकी समानता के कारण रेलवे प्रशासन इसे केवल एक 'स्थानांतरण' (ळ५ल्ल२ी१) मानता था और पदोन्नति के बावजूद कर्मचारियों को कोई अतिरिक्त वेतन वृद्धि नहीं दी जाती थी। मेंस यूनियन इस मुद्दे को लेकर लंबे समय से संघर्षरत थी। अब रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि मालगाड़ी की तुलना में यात्री गाड़ी की जिम्मेदारी संभालना एक बड़ी जवाबदेही है। पदानुक्रम में इस बदलाव को अब 'फंक्शनल प्रमोशन' यानी वास्तविक कार्यात्मक पदोन्नति का दर्जा दिया गया है, जिससे कर्मचारी रेलवे सेवा नियम 2008 के नियम 13 के तहत एक अतिरिक्त इंक्रीमेंट पाने का हकदार हो गया है। रेलवे बोर्ड ने वित्त, यातायात और स्थापना निदेशालयों से व्यापक परामर्श करने के बाद सभी जोनल रेलवे को पत्र जारी कर दिया है। यह नया नियम 19 जनवरी 2026 से प्रभावी माना गया है। इसका सीधा अर्थ यह है कि इस तिथि के बाद जितनी भी नियुक्तियां या पदोन्नतियां इस श्रेणी में होंगी, उन सभी पर यह नया वेतन नियम लागू होगा। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) शशिकांत त्रिपाठी ने पुष्टि की है कि बोर्ड के निदेर्शों के अनुक्रम में प्रयागराज समेत सभी मंडलों में यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। इस ऐतिहासिक फैसले का लाभ देश के लगभग 12 से 15 हजार सीनियर गुड्स मैनेजरों को मिलेगा। यदि लोको पायलट और अन्य रनिंग स्टाफ को मिला लिया जाए, तो यह संख्या एक लाख से भी अधिक हो जाती है। वर्षों तक मालगाड़ियों में कठिन सेवा देने के बाद जब कोई कर्मचारी पैसेंजर ट्रेन की कमान संभालता है, तो उसे अब न केवल नई जिम्मेदारी मिलेगी, बल्कि उसके वेतन में भी सम्मानजनक बढ़ोतरी सुनिश्चित होगी।

ई-रिक्शा सड़क पर बने गड्ढे में फंसने से अनियंत्रित होकर पलटा

नैनी। नैनी क्षेत्र के मेवालाल की बगिया चौराहे पर बुधवार देर शाम एक खाली ई-रिक्शा सड़क पर बने गड्ढे में पहिया फंसने से अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत रही कि ई-रिक्शा में कोई सवारी मौजूद नहीं थी जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के समय चौराहे पर ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए ई-रिक्शा को सीधा कराया और यातायात को सामान्य कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे पर सड़क में दो गड्ढे बने हुए हैं, जिनके कारण आए दिन वाहन पलटने की घटनाएं होती रहती हैं। लोगों ने बताया कि मेवालाल की बगिया की सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

मांडा सीएचसी से पर्स सहित नकदी चोरी

सीसीटीवी कैमरे के सामने हुई वारदात, पीड़िता ने पुलिस को दी सूचना

अखंड भारत संदेश

मांडा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मांडा से एक महिला का पर्स चोरी हो गया। यह घटना 4 फरवरी 2026 को दोपहर लगभग 3 बजे हुई, जब महिला अपने पिता के स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल आई थी। मांडा खास निवासी मोनी बेगम अपने पिता मोहिउद्दीन के ब्लड और शुगर की जांच कराने सीएचसी गई थीं। जांच के बाद, जब वह अधीक्षक डॉ. अजीत सिंह से मिलने जा रही थीं, तभी गैलरी से उनका पर्स चोरी हो गया। पर्स में मूल पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, अन्य आवश्यक दस्तावेज और लगभग 700 रुपये नकद सहित कीमती सामान मौजूद था। मोनी बेगम ने सीएचसी अधीक्षक से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर चोर का पता लगाने का अनुरोध किया। हालांकि, अधीक्षक ने फुटेज जांच करवाने का उचित आदेश नहीं दिया। इसके बाद, पीड़िता ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची 112 नंबर की पुलिस ने भी सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न होने की पुष्टि की है। पीड़िता ने अब पुलिस से इस मामले में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

एलिम्को के साथ इस साझेदारी से दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों का जीवन होगा बेहतर : जी श्रीनिवास

परियोजना प्रभावित एवं आस पास के गांवों में रहने वाले दिव्यांगों तथा वरिष्ठ नागरिकों के दैनिक जीवन शैली में सुधार एवं आत्मनिर्भर जीवन जीने हेतु मेजा ऊर्जा निगम और एम्लिको के बीच हुआ समझौता ज्ञापन पर किए गए हस्ताक्षर

अखंड भारत संदेश

मेजा। बुधवार को मेजा ऊर्जा निगम प्रा.लि. ने अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए भारत सरकार के उपक्रम एलिम्को (आर्टिफिशियल लिंब्स मैनुफैक्चरिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

उल्लेखनीय है कि इस समझौते के अंतर्गत परियोजना प्रभावित एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों की पहचान कर उन्हें कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण एवं अन्य आवश्यक सहायक साधन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उनकी दैनिक जीवन शैली में सुधार हो सके तथा वे आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।यह हस्ताक्षर समारोह मेजा ऊर्जा निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी श्रीनिवास राव की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस दौरान निगम की ओर से विवेक चंद्रा अपर महाप्रबंधक (मा.स.), अजय सिंह, उप महाप्रबंधक (मा.स.), डॉ. अरविन्द सिंह चिकित्सा अधिकारी (अस्पताल) तथा एलिम्को की ओर से ऋषि राज सहायक प्रबंधक (एलिम्को) ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी श्रीनिवास राव ने कहा कि मेजा ऊर्जा निगम समाज के वंचित एवं विशेष आवश्यकता वाले वर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आगे कहा कि एलिम्को के साथ यह साझेदारी दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उनके आत्मसम्मान, गतिशीलता एवं जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगी। गौरतलब है कि यह पहल मेजा ऊर्जा निगम की ह्लहेल्थ फार आलह्व तथा समावेशी विकास की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करती है और सीएसआर के माध्यम से सामाजिक सरोकारों के प्रति निगम की संवेदनशीलता को दशार्ती है। इस अवसर पर नरेंद्र नाथ सिन्हा (महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण), अशोक कुमार सामल (महाप्रबंधक अनुरक्षण), एके चौधरी (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) तथा विवेक चन्द्र (अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन), के एलिम्को की ओर से अधिकृत प्रतिनिधिगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के उत्थान हेतु एमयूएनपीएल और एलिम्को के मध्य समझौता करते अधिकारीगण

उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस पूर्वी की सूरज शुक्ला को प्रदेश महासचिव की सौंपी गई कमान

कहा – शीर्ष नेतृत्व के भरोसे पर खरा उतरने के साथ साथ पार्टी की मजबूती एवं संगठन का विस्तार ही होगी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

सूरज शुक्ला

मेजा। संगठन को सुदृढ़ एवं सक्रिय बनाए रखने के उद्देश्य से संगठनात्मक हितों को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस (पूर्वी) की विस्तारित कमेटी को तत्काल प्रभाव से स्वीकृति प्रदान करते हुए शीर्ष नेतृत्व ने सूरज शुक्ला को यूपी के प्रदेश महासचिव की कमान सौंपी है।

उल्लेखनीय है कि मेजा तहसील क्षेत्र चौकठा तेवरियान गांव निवासी सूरज शुक्ला को यह जिम्मेदारी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मा.मल्लिकार्जुन खड़गे पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष / संसद राहुल गांधी, उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव अविनाश पांडेय, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी, भारतीय युवा कांग्रेस के प्रभारी सचिव मनीष शर्मा, भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सौंपी गई है जिसको लेकर शीर्ष नेतृत्व ने सूरज शुक्ला पर भरोसा जताया है। गौरतलब है कि प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी मिलने पर श्री शुक्ला ने शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि पार्टी की मजबूती और संगठन का विस्तार ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने आगे कहा कि जिस भरोसे एवं विश्वास के साथ शीर्ष पदाधिकारियों ने हमें प्रदेश की जिम्मेदारी दी है उस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी तथा समर्पण के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य होगा।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 20.40 लाख रुपये की ठगी, केस दर्ज

प्रयागराज। सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर कुछ लोगों ने विपिन शेष से 20.40 लाख रुपये ठग लिए। धोखाधड़ी करने वालों ने फर्जी नियुक्ति पत्र थमाया। पैसा वापस मांगने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। धूमनगंज पुलिस ने अब मामले में कोर्ट के आदेश पर कौशांबी के सराय अकिल फकीराबाद निवासी रामदीन, उसके बेटे अतुल, भानु प्रताप, अनुज कुमार व अब्दुल कादिर, प्राची राजवंश, सूरज रावत के खिलाफ मुकदमा कायम किया है। रम्मन का पुरवा, सुलेम सराय निवासी विपिन शेष का कहना है कि वर्ष 2015 में उसकी मुलाकात एक तिलकोत्सव में अतुल कुमार से हुई थी। उसने समाज के लोगों को सरकारी नौकरी दिलवाने और तरक्की करने की बात कही। दो साल बाद उसने अपने घर बुलाया। वहां पर अतुल, उसके पिता समेत अन्य लोगों ने गारंटी के साथ सरकारी नौकरी दिलाने की बात कही। कई बार में 20 लाख 40 हजार रुपये लिए। अतुल ने अपना विजिटिंग कार्ड दिया, जिसमें सुपरिटेंडेंट इंजीनियर नेवी मुंबई लिखा था। नियुक्ति पत्र लेकर जब वह मुंबई पहुंचा तो पता चला कि वह फर्जी है। इससे वह परेशान हो गया।

नैनी छिवकी स्टेशन पर चोरी के मोबाइल के साथ एक युवक गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी रेलवे स्टेशन एवं चलती ट्रेनों में बढ़ती चोरी व छिनैती की घटनाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी पर नियंत्रण तथा अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के उद्देश्य से अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे महोदय एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज महोदय के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में उ.नि. रामकरन सिंह प्रभारी चौकी छिवकी मय पुलिस टीम द्वारा रेलवे स्टेशन छिवकी के प्लेटफार्म संख्या एक पर रोड साइड की ओर पेड़ के नीचे से अभियुक्त इन्द्रजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी का एक अदद मोबाइल फोन बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध थाना जीआरपी प्रयागराज के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। वही गिरफ्तार युवक प्रयागराज एयरपोर्ट देवघाट झलवा निवासी इन्द्रजीत सिंह पुत्र स्व. बिरुजी को गिरफ्तार किया। अभियुक्त रेलवे स्टेशनों एवं चलती ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल फोन व अन्य सामान की चोरी कर उन्हें बेचकर प्राप्त धनराशि से अपने ऐशो-आराम एवं जीविकोपार्जन की व्यवस्था करता था। वही गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम प्र.नि. अकलेश कुमार सिंह, थाना जीआरपी प्रयागराज, उ.नि. रामकरन सिंह, प्रभारी चौकी छिवकी, थाना जीआरपी, दिनेश चन्द्र मिश्रा, अवधेश कुमार मौजूद रहे।

सनातन आस्था सेवा ट्रस्ट के शिविर में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ

नैनी। नैनी माघ मेला क्षेत्र के अरैल सेक्टर-7 में चक्र माधव मंदिर के सामने स्थित सनातन आस्था सेवा ट्रस्ट के शिविर में बुधवार को सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट की संरक्षक आस्था पांडे ने कहा कि लोगों की निस्वार्थ सेवा ही सनातन परंपरा का मूल है। सनातन में आस्था और सेवा भाव से पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने समाज को सेवा के माध्यम से जोड़ने पर बल दिया। इस अवसर पर पूर्व कुलपति काशी हिंदू विश्वविद्यालय प्रो. गिरीश चंद्र त्रिपाठी, करछना विधायक पियूष रंजन निषाद, संस्था के अध्यक्ष आनंद शंकर पांडे, उपाध्यक्ष प्रांजल पांडे, पार्षद मयंक यादव, पार्षद रण विजय सिंह (डब्बू), राजन शुक्ला, सत्यम शुक्ला, अभिमन्यु मिश्रा, कृष्णा केसरवानी, विश्व हिंदू परिषद के जिला प्रचारक मंगल जी, रिचा नारायण एवं मिश्र बंधु सहितअनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं श्रद्धा-भाव से संपन्न हुआ।

असंतुलित आहार तम्बाकू शराब और शारीरिक निष्क्रियता हैं कैंसर के प्रमुख कारण : डा संदीप सिंह

विश्व कैंसर दिवस पर सीएचसी रामनगर के नवागंतुक अधीक्षक डा सुरेश सिंह की अध्यक्षता में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अखंड भारत संदेश

कैंसर से बचाव हेतु जनजागरूकता कार्यक्रम में लोगों को जागरूक करते डा संदीप सिंह और डॉ दीपक तिवारी

मेजा। बुधवार को विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर के अधीक्षक डॉ सुरेश सिंह की अध्यक्षता में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना और इसके कारणों, लक्षणों तथा बचाव के उपायों की जानकारी देना रहा। इस अवसर पर डॉ. संदीप सिंह (एनसीडी विभाग) तथा डॉ. दीपक तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत विश्व कैंसर दिवस की थीम पर प्रकाश डालते हुए की गई। इस दौरान चिकित्सकों ने बताया कि कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, लेकिन समय पर पहचान और सही उपचार से इससे बचाव संभव है।

डॉ. संदीप सिंह ने गैर संचारी रोगों (एनसीडी) के अंतर्गत कैंसर की रोकथाम पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि तंबाकू, शराब, असंतुलित आहार और शारीरिक निष्क्रियता कैंसर के प्रमुख कारण हैं। इसके लिए उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित भोजन और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने पर जोर दिया। इसी क्रम में डॉ. दीपक तिवारी ने कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की जानकारी देते हुए कहा कि शरीर में किसी भी प्रकार की असामान्य गांठ, लगातार वजन घटना, लंबे समय तक घाव न भरना या असामान्य रक्तस्राव जैसे लक्षणों को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए ऐसे में तुरंत चिकित्सक से संपर्क कर परामर्श लेना बेहद जरूरी है। सीएचसी रामनगर के नवागंतुक अधीक्षक डॉ. सुरेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर कैंसर की स्क्रीनिंग और जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग समय रहते जांच करवा सकें। इसके लिए उन्होंने क्षेत्रीय लोगों को स्वयं जागरूक बनने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील किया है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों और मरीजों को कैंसर से बचाव से संबंधित जानकारी दी गई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया गया। इस मौके पर मनोज कुमार,सन्दीप कुमार सीएचसी के चिकित्सक,कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में मरीज व आमजन प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मण्डलायुक्त प्रयागराज ने एसआईआर के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के साथ की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मंडलायुक्त प्रयागराज सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य एसआईआर अभियान के अंतर्गत मतदाता सूची के अद्यतीकरण कार्यों की समीक्षा करना तथा राजनीतिक दलों से फीडबैक प्राप्त करना रहा। बैठक के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए। इस दौरान कुछ प्रतिनिधियों द्वारा यह अवगत कराया गया कि जनपद के कुछ मतदान केंद्रों पर फार्म-6 की उपलब्धता में कमी के कारण नए मतदाताओं के पंजीकरण में कठिनाई आ रही है। इसके अतिरिक्त कुछ क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा कार्यों में अपेक्षित गंभीरता न बरतने की भी शिकायतें सामने आईं। राजनीतिक दलों की बातों को गंभीरता से लेते हुए मंडलायुक्त प्रयागराज सौम्या अग्रवाल ने मौके पर ही समस्त उपजिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपने-अपने तहसील क्षेत्रों में फार्म-6 की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि राजनीतिक दलों द्वारा उठाई गई सभी शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेते हुए उनका शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण कराया जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने जनपद में चल रहे एसआईआर कार्यों की प्रशंसा करते हुए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एसआईआर अभियान की सफलता में राजनीतिक दलों का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग से जनपद में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य पारदर्शी, निष्पक्ष एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराया जा रहा है। बैठक में विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट अनुष्का शर्मा, अपर आयुक्त प्रयागराज जयजीत कौर, अपर जिलाधिकारी (वि0ध्या0) आदित्य प्रजापति, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव, डीसी मनरेगा सन्तोष कुमार सिंह व उपजिलाधिकारीगण सहित राजनैतिक दलों में भाजपा से राजेश सिंह व पारसनाथ, सांसद प्रतिनिधि बीएल वर्मा, विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण मौर्य, कांग्रेस से डा0 नीरज त्रिपाठी व मो0 हुजैफ, बहुजन समाज पार्टी से सादिक अली व अश्विनी कुमार, सपा से गुलफाम खां व अश्वनी सोनी, आम आदमी पार्टी से दिनेश उपाध्याय, अपना दल से ज्ञानेन्द्र वर्मा, परमानन्द मिश्र व निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त ने प्राथमिक विद्यालय व पंचायत भवन राजगढ़ का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। मंडलायुक्त प्रयागराज सौम्या अग्रवाल ने प्राथमिक विद्यालय राजगढ़ व पंचायत भवन राजगढ़ में जाकर विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों से अनमैप्ड मतदाताओं तथा डिफेक्टिव फोटो वाले प्रकरणों की अलग से जानकारी ली। तार्किक विसंगति के अंतर्गत मैपिंग की आवश्यकता वाले मतदाताओं को नोटिस निर्गत करने तथा उनकी सुनवाई से संबंधित की जा रही कार्यवाही के बारे में भी पूछा। उन्होंने सभी बीएलओ एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (एईआरओ) की ओर से दी गई कई सूचनाओं का गणना प्रपत्रों से सत्यापन करते हुए किसी भी माध्यम से (ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन) फार्म-6 प्राप्त होने पर उन्हें तत्काल अपलोड कराते हुए फील्ड वेरिफिकेशन रिपोर्ट समय से जमा कराने के निर्देश दिए। मतदाता सूची में नाम, आयु, लिंग आदि संबंधित त्रुटि के साथ फोटो धुंधली, काली, आकार में छोटी या अत्यधिक पुरानी पाए जाने पर संशोधन हेतु फार्म-8 घोषणा-पत्र भरवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (वि0ध्या0) आदित्य प्रजापति, उपजिलाधिकारी सदर नैन्सी सिंह, उपजिलाधिकारी तनवीर अहमद उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

मारपीट व धमकी को लेकर केस दर्ज

प्रतापगढ़। मारपीट गालीगलौज व धमकी की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थानान्तर्गत शिववंश का पुरवा खानीपुर गांव की फूलकुमारी सिंह पत्नी राम सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती दो फरवरी को दोपहर करीब बारह बजे उसका पुत्र अजय सिंह घर पर मौजूद था। आरोप है कि इसी बीच पुरानी रंजिश को लेकर गांव के अजय सिंह, शत्रुघ्न सिंह पुत्रगण भानु प्रताप सिंह एवं इनके रिश्तेदार रानी का सराय जेठवारा निवासी जय सिंह पुत्र राजकुमार सिंह एकराय होकर दरवाजे पर पहुंचे और गाली देने लगे। मना करने पर आरोपियों ने पीड़ित के पुत्र को मारापीटा। बीचबचाव करने पहुंची पीड़िता को भी मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। जांच के बाद पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

समाजसेविका के निधन पर जताया शोक

लालगंज। समाजसेविका के निधन पर क्षेत्रवासियों ने शोक जताया है। विकासखण्ड लक्ष्मणपुर अर्न्तगत पूरे धनई शिवबोझ गांव की समाजसेविका छिहत्तर वर्षीया राजकुमारी का बीमारी के चलते बीते मंगलवार को निधन हो गया। समाजसेविका गिरीशचंद्र मिश्र व केशव मिश्र की मां थी। निधन की जानकारी होने पर क्षेत्र के विजय पाण्डेय, रामजी जायसवाल, रामू मिश्र, रज्जन शुक्ला, ऋषि कुमार द्विवेदी, राधेश्याम मिश्र, सोनू शुक्ल, शशांक तिवारी, अनुराग उपाध्याय, आशीष द्विवेदी, दीपक शुक्ल, सत्यम सिंह, संजीव द्विवेदी, सुधांशु, संजीव पाण्डेय आदि ने गहरी संवेदना जतायी है।

अपहरण का आरोपी धराया, भेजा गया जेल

प्रतापगढ़। सांगीपुर पुलिस ने अपहरण के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दरोगा इन्द्रेश कुमार पुलिस बल के साथ बुधवार की सुबह गश्त पर निकले थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर अपहरण के मुकदमें में वांछित चल रहे आरोपी धीरज वर्मा पुत्र विनोद कुमार वर्मा निवासी देउम पूरब को घुइसरनाथ धाम स्थित पुल के समीप से धर दबोचा। एसओ गौरव त्रिवेदी ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

वृद्ध महिला व बहू को जान से मारने की दी धमकी

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत लबेदा गांव में एक वृद्ध महिला और उसकी बहू को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने इस संबंध में पुलिस को नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। लबेदा गांव निवासी शिवपत्ति गिरी ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि बुधवार को दिन में लगभग 4 बजे वह अपने घर के अंदर खाना खा रही थीं। इसी दौरान विपक्षी उनके घर पहुंचे और उन्हें व उनकी बहू से गाली-गलौज करने लगे तथा जान से मारने की धमकी दी।पीड़िता का कहना है कि उसके घर के पुरुष सदस्य रोजी-रोटी के सिलसिले में बाहर रहते हैं, जिसका फायदा उठाकर विपक्षी आए दिन परेशान करते हैं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया, तब जाकर मामला शांत हुआ।पीड़िता ने बुधवार की शाम कोतवाली पहुंचकर नामजद तहरीर दी और पुलिस से अपने व अपने परिवार की जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

नामजद तहरीर पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरू

पट्टी। कोतवाल क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का एक गंभीर मामला सामने आया है। सांगा पट्टी गांव निवासी श्रवण कुमार मिश्रा ने पुलिस को नामजद तहरीर देकर आरोप लगाया है कि कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा ब्राह्मण समाज के विरुद्ध आपत्तिजनक एवं अभद्र टिप्पणियां की गईं, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर अवैध असलहे के साथ फोटो वायरल कर समाज में भय और दहशत फैलाने का प्रयास किया गया।पीड़ित का आरोप है कि इस प्रकार की पोस्ट और टिप्पणियों का उद्देश्य जातीय वैमनस्य फैलाना, लोगों को भड़काना तथा क्षेत्र की शांति व्यवस्था को भंग करना है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की।मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर अमित गौतम पुत्र छोटेलाल के विरुद्ध जातीय हिंसा भड़काने और आयुध अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ब्राह्मण समाज पर अभद्र टिप्पणी और अवैध असलहे के साथ फोटो वायरल का मामला

अनियंत्रित कार खड्ड में गिरी, चालक गंभीर घायल

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के सदहा गांव के समीप बुधवार की देर शाम एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में पलट गई, जिससे कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए 108 एंबुलेंस की सहायता से घायल को अमरगढ़ सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद सुल्तानपुर के थाना चंदा क्षेत्र अंतर्गत कोइरीपुर गांव निवासी शैलेश पाल बुधवार की शाम करीब 6 बजे पट्टी तहसील मुख्यालय से अपने घर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार सदहा गांव के पास पहुंची, अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क के किनारे पलट गया। हादसे में शैलेश पाल को गंभीर चोटें आईं।घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी और घायल को सीएचसी अमरगढ़ भेजा गया। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक हरिश्चंद्र ने बताया कि घायल की स्थिति नाजुक होने के कारण उसे जिला मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

सड़क हादसों में आठ लोग घायल

कुंडा। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बृसिंहपुर गांव निवासी सुरेश सिंह का 38 वर्षीय बेटा वरुण सिंह बाइक से कहीं जा गया था। कुंडा इलाके में हाइवे पर पहुंचा अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया। हथिगवां थाना क्षेत्र के गोपालगंज शाहपुर गांव निवासी जितेन्द्र मिश्रा का 35 वर्षीय बेटा राजकुमार मिश्रा अपनी 9 वर्षीय बेटी नैना के साथ बाइक से मंगलवार को कहीं जा रहा था। जैसे ही मुख्य सड़क पर पहुंचा अज्ञात वाहन की टक्कर से पिता-पुत्री दोनों घायल हो गए। अन्य हादसों में भुलसा गांव निवासी मो. अशरफ बाइक, गयासपुर गांव निवासी हुसैन, पुरवियन का पुरवा मोहल्ला निवासी विजय यादव, सहू का पुरवा तिलौरी मोहल्ला निवासी दयाराम पटेल, दिल्ली के तिलक नगर निवासी विशाल कुंडा में जख्मी हो गया आसपास के लोगों ने एम्बुलेंस से सभी घायलों को सीएचसी भेजा। प्राथमिक उपचार के बाद भी विशाल की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने स्वरुप रानी अस्पताल प्रयागराज रेफर कर दिया।

यक्ष एप के जरिए अपराधियों पर रहेगी पुलिस की नजर

बीट सिपाही गांव-गांव जाकर अपलोड कर रहे हैं डाटा

रवींद्र मिश्रा

बेलखरनाथ धाम। उत्तर प्रदेश में एआई के जरिए अपराधियों की निगरानी समेत पुलिसिंग को और स्मार्ट व हाईटेक करने के लिए लांच किए गए यक्ष एप के तहत अब बीट सिपाही गांव गांव जाकर उनका खाका फीड कर रहे हैं। जिसमें संबंधित अभियुक्तों का विवरण स्वतः यक्ष एप पर प्रदर्शित होने लगेगा। इससे गांव में कितने अपराधी है, कितने शस्त्र लाइसेंस धारक है,उस हल्के का दरोगा व बीट सिपाही कौन है, यह सब ,यक्ष, एप पर अपलोड किया जा रहा है। जिसे आसानी से देखा जा सकता है।इस ऐप से अपराधों पर रोकथाम और अपराधियों पर कार्रवाई करने में भी प्रभावी मदद मिलेगी।पट्टी सर्किल के आने वाले थाने कंधई, के 147, दिलीपपुर, 62, आसपुर देवसरा 143 व पट्टी में 164 गांवो का डाटा यक्ष एप पर अपलोड करके पूरा कर लिया गया। इस संबंध में पट्टी पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार सिंह रघुवंशी ने बताया कि इस ऐप के माध्यम से पता चलेगा कि किस गांव में कौन अपराधी है किसके पास शस्त्र लाइसेंस है तथा उस हल्के का दरोगा व बीट सिपाही कौन है। सभी जानकारियां इस एप पर उपलब्ध रहेगी और गांवों की सारी गतिविधियों पर पुलिस की नजर रहेगी।

यक्ष एप में जुड़ेंगे हल्का लेखपाल व सम्भ्रांत नागरिक

यक्ष एप में हल्का लेखपाल सहित सम्भ्रांत नागरिक के अलावा ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य,आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,पत्रकार व समाज से जुड़े सम्मानित लोगों को भी इस एप में जोड़कर उनका सहयोग लिया जाएगा।

छात्रों के बीच मारपीट, दो पर मुकदमा दर्ज

बेलखरनाथ धाम। कंधई थाना क्षेत्र के कोर्रा निवासी जावेद का बेटा अर्सलान कंधई थाना क्षेत्र स्थित प्राइवेट इंटर कॉलेज का छात्रहै। आरोप है कि 2 फरवरी की दोपहर एक बजे छुट्टी होने पर वह कॉलेज के बाहर निकल कर घर की तरफ आते समय कॉलेज की कक्षा 10 वी 12वीं कक्षा के दो छात्रों के बीच कहां सुनी हो गई । आरोप है कि अर्सलान को सड़क के किनारे रखी बल्ली पटरी से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया । जानकारी मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तथा घायल छात्र अर्सलान को लेकर थाने गये । जहां पुलिस ने छात्र को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलखरनाथ भेजा, इलाज के बाद मंगलवार को अर्सलान की तहरीर पर पुलिस ने कोर्रा निवासी शादाब व सरताज के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

भाई ने दर्ज कराया अज्ञात ट्रक चालक के पर मुकदमा

बेलखरनाथ धाम। टेम्पो में बैठकर ससुराल से मायके जा रही महिला एक माह पहले दुर्घटना हो गई जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई।इस मामले में घायल महिला का भाई कोतवाली नगर क्षेत्र के पल्टन बाजार ट्रेजरी चैराहा निवासी अबू शहमा कुरैशी ने अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।बता दें कि 31 दिसंबर को कंधई थाना क्षेत्र के बिबिया करनपुर स्थित अपने ससुराल से राकिया बेगम टेम्पो से अपने मायके पल्टन बाजार जा रही थी।तभी विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात ट्रक चालक ने टेंपो में टक्कर मार दी जिससे टेंपो में बैठी राकिया बेगम का दाहिना हाथ और पैर की पसलियां टूट गई इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां हालत गंभीर होने पर उसे प्रयागराज स्वरूप रानी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। एक महीने बाद इलाज के बाद घर लौटने घायल महिला के भाई अबू शहमा कुरैशी ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

पुराने विवाद को लेकरयुवक पर जानलेवा हमला

पट्टी। थाना आसपुर देवसरा क्षेत्र के भदवछ गांव निवासी गुलाब चंद्र वर्मा ने पुराने विवाद को लेकर अपने ऊपर हुए जानलेवा हमले की शिकायत पुलिस से की है। पीड़ित ने बुधवार को दिन में करीब 3 बजे पट्टी कोतवाली पहुंचकर विपक्षियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की।पीड़ित के अनुसार, बीते 1 फरवरी को वह पट्टी कस्बे में स्थित अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहा था। इसी दौरान भदवछ चैराहे पर एक किराना दुकान से सामान खरीदने के लिए रुका था, तभी विपक्षी वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर आमादा हो गए। मामले की सूचना पीड़ित द्वारा डायल 112 पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया।पीड़ित का आरोप है कि इसी रंजिश को लेकर मंगलवार की शाम कलियनापुर नहर पुलिया के पास विपक्षियों ने उसे रोक लिया और उस पर जानलेवा हमला कर दिया। किसी तरह मौके से भागकर पीड़ित ने अपनी जान बचाई और घर पहुंचा।बुधवार को पीड़ित पट्टी कोतवाली पहुंचा और विपक्षियों के खिलाफ नामजद शिकायती पत्र देते हुए जान-माल की सुरक्षा तथा सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लॉटरी सिस्टम से होगा संग्रामगढ़ गांव के कोटे का चयन

प्रतापगढ़। विकासखण्ड रामपुर संग्रामगढ़ की ग्राम पंचायत संग्रामगढ़ में रिक्त चल रहे कोटे का चयन अब लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए पांच फरवरी से बीस फरवरी तक बंद लिफाफे में आवेदन मांगे गये हैं। आवेदन फार्म उप जिलाधिकारी कार्यालय लालगंज से प्राप्त किये जा सकते हैं। आगामी पचीस फरवरी को तहसील सभागार में लॉटरी सिस्टम के द्वारा कोटे का चयन तहसील स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। उक्त जानकारी उप जिलाधिकारी शैलेन्द्र वर्मा द्वारा जारी विज्ञप्ति में दी गयी है।

पुरानी रंजिश में धारदार हथियार से हमला

दो नामजद सहित तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पट्टी। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के बसीरपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर सोमवार सुबह एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना सुबह करीब 7 बजे की बताई जा रही है, जब पांच लोगों ने अपने पड़ोसी पर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला कर दिया। बीच-बचाव के चलते पीड़ित की जान बच सकी।बसीरपुर गांव निवासी नंदलाल पांडे ने मंगलवार को थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि पुरानी रंजिश के चलते पड़ोसियों ने पहले गाली-गलौज की और मना करने पर लाठी-डंडों व धारदार हथियार से हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें जान से मारने का प्रयास भी किया।पीड़ित की तहरीर के आधार पर दिलीपपुर पुलिस ने गांव निवासी अजय मिश्रा और धीरज मिश्रा समेत तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।इस संबंध में थानाध्यक्ष बलराम सिंह ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित को चोटें आई हैं और मामले की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाली के सामने अवैध पार्किंग पर पुलिस सख्त

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों, थानों और मुख्य मार्गों पर अवैध पार्किंग से न केवल यातायात प्रभावित होता है, बल्कि आमजन को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अखंड भारत संदेश

पट्टी। कस्बा क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने और नियमों का सख्ती से पालन कराने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में कोतवाली के सामने अवैध रूप से पार्क की गई एक अर्टिगा कार पर पुलिस ने चालानी कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार, कोतवाली परिसर के सामने सड़क किनारे अर्टिगा कार को नियमों के विरुद्ध खड़ा किया गया था, जिससे यातायात बाधित हो रहा था। मामले को संज्ञान में लेते हुए कस्बा इंचार्ज सचिन यादव ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन का ऑनलाइन चालान काटा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थानों, थानों और मुख्य मार्गों पर अवैध पार्किंग से न केवल यातायात प्रभावित होता है, बल्कि आमजन को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी को देखते हुए आगे भी इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।कस्बा इंचार्ज सचिन यादव ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें और यातायात नियमों का पालन करें, ताकि अनावश्यक चालानी कार्रवाई से बचा जा सके।इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सख्ती का संदेश गया है और आम लोगों ने भी यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए उठाए गए कदम की सराहना की है।

कैंसर दिवस पर तरुण चेतना का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अखंड भारत संदेश

पट्टी। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था तरुण चेतना द्वारा तहसील पट्टी क्षेत्र के ग्राम पंचायत बहुता में कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना तथा समय पर जांच और उपचार के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में संस्था के निदेशक नसीम अंसारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कैंसर के प्रति जागरूकता ही इसका सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नशीले पदार्थों से दूर रहें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।कार्यक्रम के प्रभारी हकीम अंसारी ने कैंसर के कारण, लक्षण एवं बचाव के उपायों की जानकारी दी। वहीं श्याम शंकर ने कैंसर विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व को बताया।कार्यक्रम में ग्रामीणों की अच्छी सहभागिता रही और लोगों ने इस तरह के जनजागरूकता कार्यक्रमों की सराहना की।

विजिलेंस टीम की छापेमारी से उपभोक्ताओं में मची अफरा-तफरी

पट्टी। क्षेत्र में विद्युत विभाग की विजिलेंस टीम ने अचानक छापेमारी अभियान चलाया। जिससे क्षेत्र के उपभोक्ताओं में खलबली मच गई। कार्रवाई की सूचना मिलते ही कई लोग इधर-उधर भागते नजर आए। इस विशेष अभियान का नेतृत्व जेई विजिलेंस अवनीश कुमार तिवारी कर रहे थे। उनके साथ एसआई अनिल सिंह, प्रदीप शर्मा सहित विद्युत विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे। टीम ने विभिन्न स्थानों पर जांच करते हुए बिजली चोरी और अनियमितताओं की पड़ताल की।विजिलेंस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप की स्थिति बनी रही, वहीं विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।मामले में जेई विजिलेंस अवनीश कुमार तिवारी ने बताया सूचना पर संदिग्ध लोगों की जांच की जा रही है।

छात्रा की पिटाई पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पट्टी। कंधई थाना क्षेत्र के शिवपुर गांव के रहने वाले अर्सलान पुत्र शादाब ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है। घटना बीते 2 फरवरी को दिन में लगभग 1 बजे के आसपास की है प्रार्थी रोज की तरह विद्या भारती इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल किशनगंज में पढ़ने के लिए गया हुआ था। जहां पर मामूली बात को लेकर दो युवक उसे शटरिंग वाली पटरी से मारपीट कर घायल कर दिए जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की थी। पीड़ित की तहरीर के आधार पर बुधवार को दिन में पुलिस ने सादाब व सरताज के विरुद्ध मारपीट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्यवाही में पुलिस जुटी हुई है।

दीवार तोड़ने के विवाद में दोनों पक्ष के साथ आरोपियों पर केस

प्रतापगढ़। दीवार तोड़ने के विवाद में हुई मारपीट की घटना को लेकर पुलिस की तहरीर पर दोनों पक्ष के कुल सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। सांगीपुर थाने के दरोगा राजीव नयन पाण्डेय को शिकायत मिली कि बीती तीन फरवरी को तारापुर कोटवा शुकुलपुर में दो पक्षों में दीवार गिराने को लेकर विवाद हो गया। जांच में मामला सही मिलने पर एक पक्ष के महेन्द्र कुमार पाण्डेय व उनकी मां तथा दूसरे पक्ष के सुशील पाण्डेय, प्रमोद पाण्डेय समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ गालीगलौज, मारपीट व धमकी का मुकदमा दर्ज किया गया। एसओ गौरव त्रिवेदी का कहना है कि मुकदमा दर्ज किया गया है, जांच के बाद आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी।

टैंकर चालक पर दर्ज हुआ मुकदमा, गिरफ्तार

लालगंज। कोतवाली लालगंज क्षेत्र के खजुरी में मंगलवार दोपहर स्कूली बस में पीछे से तेल टैंकर के टक्कर मार देने से बच्चों के घायल होने की घटना को लेकर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने तहरीर दी। जिस पर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपी चालक को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई कर रही है। लालगंज नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज में बीते मंगलवार को दोपहर छुटटी होने के बाद छात्र छात्राओं को लेकर उनके घर छोडने के लिए जा रही बस खजुरी गांव के पास हाइवे किनारे बच्चों को उतारने के लिए रूकी। इसी दौरान पीछे से आ रहे टैंकर ने अनियंत्रित होकर बस में जोरदार टक्कर मार दिया। दुर्घटना में अचानक टक्कर लगने से स्कूली बस सडक किनारे गडढे में जा गिरी। इससे बस में सवार कुल तीस बच्चों में से आठ बच्चे घायल हो गये थे। वहीं अन्य बच्चों को मामूली चोटें आयी थी। गंभीर रूप से घायल छात्र हरिओम सिंह को चिकित्सकों ने रेफर कर दिया था। घटना को लेकर प्रधानाचार्य उमाशंकर मिश्र ने अज्ञात टैंकर चालक के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपी। एसएसआई अरूण कुमार सिंह का कहना है कि मामले में टैंकर चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते दुर्घटना करने का केस दर्ज किया गया है। आरोपी चालक को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कौशाम्बी संदेश

पत्नी का सिर काटकर कौशांबी में लाश फेंकने वाले दरोगा को उम्र कैद की हुई सजा

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। महेवा घाट थाना क्षेत्र में 19 मई 2015 को यमुना नदी के किनारे सिर कटी महिला की एक लाश मिली थी जिसे कौशांबी पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था बाद में इस लाश की शिनाख्त कानपुर पुलिस ने की थी कानपुर में पत्नी की निर्मम हत्या करने वाले दरोगा ज्ञानेंद्र सिंह को एडीजे-4 शुचि श्रीवास्तव की अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उस पर 60 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया है। वहीं,सबूतों के अभाव में अन्य पांच आरोपियों को बरी कर दिया गया। यह मामला वर्ष 2015 का है, जब दरोगा ने अपनी पत्नी का सिर काटकर शव कौशांबी जिले के महेवा घाट के पास फेंक दिया था। जेवर, घड़ी और टैटू के आधार पर परिजनों ने मृतका की पहचान की थी। करीब 10 साल बाद पीड़ित परिवार को न्याय मिला है। क्या था पूरा मामला नवीन नगर निवासी विनीता सचान ने बताया कि उनकी बेटी ईशा की शादी 10 मार्च 2013 को कानपुर देहात के मूसानगर थानाध्यक्ष रहे, मूल रूप से चित्रकूट के मऊ थाना अंतर्गत छिवलाहा गांव निवासी ज्ञानेंद्र सिंह के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही ईशा को पता चला कि ज्ञानेंद्र की पहले से एक शादी हो चुकी है, जिसे उसने छिपाकर ईशा से विवाह किया था। इस बात को लेकर दोनों के बीच लगातार विवाद रहने लगा, जिसके चलते ईशा मायके में रहने लगी थी। दोनों की एक बेटी शनाया भी है।दर्शन के बहाने पत्नी को ले गया, फिर हत्या कर दी विनीता के अनुसार, 17 मई 2015 को ईशा के मामा ने अपने घर पर समझौता करवाया था। अगले दिन, यानी 18 मई को ज्ञानेंद्र ईशा को लेने मायके पहुंचा और उसे मुक्ता देवी मंदिर दर्शन कराने के बहाने कार से अपने साथ ले गया। रात आठ बजे तक जब दोनों वापस नहीं लौटे, तो विनीता ने फोन किया लेकिन दोनों के मोबाइल स्विच ऑफ मिले। परेशान परिजन काकादेव थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। कौशांबी जिले के महेवा घाट थाना क्षेत्र में यमुना नदी के किनारे सिर कटी महिला की लाश से खुलासा हुआ एसएसपी के निर्देश पर 19 मई 2015 को काकादेव थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया। 22 मई को काकादेव पुलिस को सूचना मिली कि कौशांबी जिले के महेवा घाट क्षेत्र में एक सिर कटी महिला की लाश बरामद हुई है। ईशा के परिजन जब वहां पहुंचे, तो टैटू, घड़ी और जेवर के जरिए शव की पहचान ईशा के रूप में हुई। इसके बाद मामले में हत्या की धारा जोड़ दी गई और जांच शुरू हुई।पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी दरोगा ज्ञानेंद्र सिंह के साथ-साथ ट्रैवल एजेंसी संचालक मनीष कठेरिया,उसके भाई बच्चा कठेरिया अर्जुन सिंह अवंतिका,आदर्श कुमार सविता को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। सभी के खिलाफ चाजशीट दाखिल की गई।एडीजीसी बोले- दरोगा को आजीवन कारावास एडीजीसी प्रदीप बाजपेई ने बताया कि अभियोजन पक्ष की ओर से 11 गवाहों को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सभी साक्ष्यों और गवाहियों के आधार पर आरोपी दरोगा ज्ञानेंद्र सिंह को दोषी पाया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 60000 का जुर्माना भी लगाया गया। वहीं, सबूतों के अभाव में अन्य पांच आरोपियों को बरी कर दिया गया।करीब एक दशक तक चले इस मुकदमे में आखिरकार पीड़ित परिवार को न्याय मिला। एक पुलिस अधिकारी द्वारा किए गए इस जघन्य अपराध ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए थे, लेकिन अब कोर्ट के फैसले से एक बार फिर यह साबित हुआ कि कानून के हाथ लंबे होते हैं और दोषी को सजा जरूर मिलती है।

एक पुलिस अधिकारी द्वारा किए गए इस जघन्य अपराध ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए थे

चोरी के सामान एवं नगदी के साथ 04 अभियुक्त को करारी पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के बरलाहा गांव निवासी राजबहादुर पुत्र ननकू के चाची के घर से 03 फरवरी की रात घरेलू सामान,एक बोरी चावल तथा बक्शा चोरी हुआ था इस सम्बन्ध में थाना पर मु0.अ.सं.22/2026 धारा 331 (4)/305( ) बीएनएस पंजीकृत हुआ घटना के अनावरण हेतु गठित टीमों द्वारा निरन्तर प्रयास किया जा रहा था दिनांक 04.02.2026 को थाना करारी पुलिस ने.शनि उर्फ शनिदेवल पुत्र राम लखन वा कड़ेदीन पुत्र गनेश प्रसाद वा राजेश कुमार पुत्र रामसूरत वा रामलाल पुत्र हरिमोहन निवासी गण ग्राम बरलहा थाना करारी को गिरफ्तार किया अभियुक्त के कब्जे से चोरी का सामान व रुपये बरामद हुआ है विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया हैं। पूछताछ करने पर अभियुक्त ने कई घटना में भी शामिल होना बताया है।

आपत्तियों के सापेक्ष 1102 मतदाता फार्मों का हुआ निस्तारण

कौशांबी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 06.01.2026 से 28.01.2026 तक जनपद के तीनों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (251-सिराथू, 252-मंझनपुर एवं 253-चायल) के लिये मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राज्जीय राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त किये गये बी०एल०ए० के माध्यम से मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने हेतु प्रारूप-6 बहुजन समाज पाटी द्वारा 427, भा० ज०पा० द्वारा 725, कांग्रेस पाटी द्वारा 298 एवं समाजवादी पाटी द्वारा 652 कुल 2102 फार्म प्राप्त कराये गये है। उक्त के अतिरिक्त यह भी अवगत कराना है कि नामावलियों के आलेख्य प्रकाशन के पूर्व दिनांक 28.10.2025 से 05.01.2026 तक की अवधि में कुल 5603 प्रारूप-6, 82 प्रारूप-7 एवं 2532 प्रारूप-8 प्राप्त हुए है तथा आलेख्य प्रकाशन के पश्चात दिनांक 06.01.2026 से 03.02.2026 तक कुल 20907 प्रारूप-6, 388 प्रारूप-7 एवं 5794 प्रारूप-8 प्राप्त हुए है। कुल प्राप्त दावें आपत्तियों के सापेक्ष 1102 फार्मों का नियमानुसार निस्तारण करा दिया गया है।

बीएलओ 27 फरवरी तक प्राप्त करें दावे आपत्तियां

कौशांबी। उप जिलाधिकारी, मंझनपुर एस.पी. वर्मा ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत प्रत्येक मतदान केन्द्र मतदाता सहायता केन्द्र पर दिनांक 27.02.2026 तक प्रत्येक कार्य दिवस में पूर्वान्ह 10.00 बजे से मध्यान्ह 12.00 बजे तक 252-मंझनपुर (अ०जा०) विधानसभा क्षेत्र में तैनात समस्त बी०एल०ओ० को निर्देशित किया है कि वे अपने सम्बन्धित मतदान केन्द्र पर उपस्थित रहकर आने वाले मतदाताओं के आलेख्य निर्वाचक नामावली में नाम खोजेंगे तथा दावें-आपत्तियां प्राप्त करेंगे। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि दावें/आपत्तियां प्राप्त करते समय फार्म-6 के साथ घोषणा पत्र पर आवेदक के हस्ताक्षर/मोबाइल नम्बर तथा फार्म-7 के साथ आवेदक का नाम व हस्ताक्षर, ईपिक नम्बर, मोबाइल नम्बर तथा फार्म-8 में आवेदक के हस्ताक्षर व मोबाइल नम्बर सहित अनिवार्य रूप से अंकित करने के उपरान्त ही दावे प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे।

हाईटेंशन करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

नेवादा कौशाम्बी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के इमली गांव निवासी किरन देवी उम्र लगभग 32 वर्ष पत्नी कुलदीप कोरी बुधवार की सुबह खेत की तरफ धनिया की पत्ती तोड़ने गई थी खेत में पहले से 11 हजार बोल्टेज तार टूट कर जमीन पर गिरी थी जिसमें विद्युत करंट दौड़ रहा था तार टूटकर जमीन पर गिरने के बाद भी विद्युत सप्लाई अधिकारियों ने बंद नहीं की थी जिसका खामियाजा महिला को भुगतना पड़ा घने कोहरे के चलते 11 हजार बोल्टेज तार महिला देख नहीं पाई उसका पैर 11 हजार बोल्टेज तार पर जा पड़ा जिससे मौके पर ही तड़प तड़प कर महिला की दर्दनाक मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलने पर रोते बिलखते परिजन भी मौके पर पहुंचे और नजदीकी चौकी पुलिस को सूचना दिया चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लाश को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है विद्युत अधिकारियों की बड़ी लापरवाही के चलते 11 हजार हाई बोल्टेज विद्युत करंट की चपेट में आने से महिला की मौत की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर सैकड़ो ग्रामीण पहुंच गए हैं ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति जबरदस्त आक्रोश दिखाई पड़ रहा है और महिला की मौत का जिम्मेदार ग्रामीणों ने विद्युत अधिकारियों को बताया है तार टूटकर गिरने के बाद ग्रामीणों ने बेनीराम कटरा पावर हाउस में अधिकारियों से लेकर कमर्चारी तक कई बार फोन किया लेकिन किसी ने फोन रिसीव नहीं किया इससे बड़ी लापरवाही बिजली अधिकारियों की क्या होगी। बेकसूर महिला की मौत के बाद एक बार फिर विद्युत विभाग के अधिकारियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है झूलती लटकते जर्जर तारे बदलने के नाम पर विद्युत अधिकारियों ने करोड़ों का बजट डकार लिया है लेकिन कमजोर झूलती लटकते जर्जर तारे नहीं बदली गई है हालांकि अधिकारियों की तिजोरी भर गई है जर्जर लटकते झूलती विद्युत तारे ना बदले जाने से आए दिन विद्युत तार टूट कर जमीन पर गिरते हैं उसकी विद्युत सप्लाई बाधित नहीं की जाती है जिससे निर्दोष लोगों की मौत होती है निदोष लोगों को मौत देने वाले इन विद्युत अधिकारियों पर आखिर कब मुकदमा दर्ज होगा और उनकी गिरफ्तारी कब होगी जनता इसका जवाब चाहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि हाईटेंशन विद्युत तार जर्जर अवस्था में लंबे समय से पड़ा था। कई बार विद्युत विभाग को शिकायत कर मरम्मत की मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जांच के लिए आने वाले अवर अभियंता (जेई) भी हर बार आश्वासन देकर टालते रहे। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते तार की मरम्मत कर दी गई होती, तो यह हादसा टल सकता था।ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही को हादसे का जिम्मेदार ठहराते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ित परिवार को आर्थिक मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

निदोष लोगों को मौत देने वाले विद्युत अधिकारियों पर आखिर कब मुकदमा दर्ज होगा, लटकती झूलती जर्जर विद्युत तारे बदलने के नाम पर करोड़ों का बजट डकार गए विद्युत अधिकारी

उप मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित तीर्थ यात्रियों के विश्रामालय का किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने बुधवार को पूर्वांचल विकास निधि (जिलांश) के अर्न्तगत वर्ष 2022-23 नगर पंचायत दारानगर में रुपए 49.98 लाख की लागत से नवनिर्मित तीर्थ यात्रियों के विश्रामालय व रुपए 6.27 लाख की लागत से तीर्थ यात्रियों के विश्रामालय तक के इण्टरलाकिंग कार्य एवं रूपए 22.32 लाख की लागत से तीर्थ यात्रियों के विश्रामालय में जनसुविधा के लिए नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय व स्नानागार आदि का निरीक्षण कर जायजा लिया।उप मुख्यमंत्री जी ने निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता,ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को प्रस्ताव तैयार कर बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य कराए जाने एवं खाली पड़ी भूमि का समुचित उपयोग करने के निर्देश दिए। इस दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कड़ा तीर्थ यात्रियों का विश्राम गृह का निरीक्षण किया देवीगंज बाईपास सड़क का निरीक्षण किया लेहदारी यात्री शेड विश्राम गृह का निरीक्षण किया कंवार यात्री शेड विश्रामगृह का निरीक्षण किया सैनी यात्री शेड विश्रामगृह का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष धमर्राज मौर्य सहित अधिशासी अभियंता लोनिवि हरवंश सिंह व अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग उपस्थित रहे।

भारतीय पत्रकार संघ का 26 वा प्रांतीय सम्मेलन 05 फरवरी को

कौशांबी। भारतीय पत्रकार संघ का 26वा प्रांतीय सम्मेलन पांच फरवरी 2026 को प्रयागराज में आयोजित किया जाएगा जिसके मुख्य अतिथि लाल जी शुक्ला आई.पी.एस पुलिस महानिरीक्षक(सेवानिवृत) व एन कोलांची आई.पी.एस पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज एवम विशिष्ट अतिथि अशोक कुमार शुक्ला (आई.पी.एस.) पुलिस उपमहानिरीक्षक (सेवानिवृत) व नीरज कुमार पाण्डेय(आई.पी.एस.) पुलिस अधीक्षक मेला प्रयागराज व डा0एस के पाण्डेय(आई.ए.एस.) जिलाधिकारी (सेवानिवृत)व विवेक चन्द्र यादव (आई.पी.एस)पुलिस उपायुक्त यमुनानगर प्रयागराज एवम अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में आरपी द्विवेदी उप सूचना निदेशक (सेवानिवृत) तथा इन्द्रमणी पाण्डेय सहायक सुचना निदेशक प्रयागराज सूचना एवं जनसंपर्क होंगे। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महामंत्री सूयर्कांत शुक्ला द्वारा की जाएगी। सम्मलेन का आयोजन गुरुवार को दोपहर 12 बजे से स्थान सूचना एवं जन सम्पर्क कैम्प माघ मेला में ॐ नमः शिवाय के बगल किला रोड पूवी पटरी में आयोजित किया जाएगा।जिसमे उत्कृष्ट कार्य के लिए पत्रकार एवम् प्रशासनिक लोगो को सम्मानित किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विवेक वाजपेयी ने दी।

नौसेना के ज्ञानेंद्र सिंह को राष्ट्रपति ने मेंशन इन डिस्पैच से नवाजा

गनपा गुलामीपुर में जश्न अदम्य साहस के लिए ज्ञानेंद्र सिंह की वदी पर सजेगी लोटस लीफ

कौशाम्बी सिराथू तहसील अंतर्गत ग्राम गनपा गुलामीपुर निवासी ज्ञानेंद्र सिंह सेंगर एफ्ब 3 ने भारतीय नौसेना में अपनी असाधारण वीरता से इतिहास रच दिया है महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ज्ञानेंद्र को उनकी जांबाजी के लिए प्रतिष्ठित मेंशन इन डिस्पैच सम्मान से सम्मानित किया है यह सम्मान उन चुनिंदा सैनिकों को मिलता है जिनका नाम सैन्य अभियानों के दौरान असाधारण वीरता के लिए आधिकारिक रिपोर्ट में दर्ज किया जाता है इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के साथ ही अब ज्ञानेंद्र की वदी पर वीरता का प्रतीक लोटस लीफ कमल की पत्ती सुशोभित होगी गौरतलब है कि इस वर्ष पूरी भारतीय नौसेना से केवल 15 जवानों को ही यह विशिष्ट गौरव प्राप्त हुआ है ज्ञानेंद्र के चाचा कमलेंद्र सिंह सेंगर ने बताया कि ज्ञानेंद्र में बचपन से ही देश सेवा का जुनून था उनकी इस सफलता के साथ ही भारतीय नौसेना को सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार मिलने से गांव में दोहरी खुशी का माहौल है ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर और एक-दूसरे को बधाई देकर इस ऐतिहासिक पल का जश्न मनाया है।

गोकशी की घटना से सम्बन्धित 03 अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर ईनाम घोषित

एक आरोपी पर 15,000/- व 02 अन्य पर 10,000-10,000/- रूपये का ईनाम

कौशांबी। थाना कोखराज अन्तर्गत ससुर खदेरी नदी व इचौली गांव के मध्य झाड़ियों में बिजली के खम्भे में बंधे हुए गोवंश बरामद हुए थे, जिसके सम्बन्ध में थाना कोखराज पर मु0अ0सं0 05/2026 धारा 3/5ए/5बी/8 गोवध अधिनियम पंजीकृत हुआ जिसमें 03 आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है घटना से सम्बन्धित प्रकाश में आये 03 वांछित अभियुक्त सुरेश पुत्र सुखराम वा शिव कुमार पुत्र सुखराम वा जयकरन उर्फ विकल पुत्र राम प्रवेश निवासीगण बिछौरा थाना मंझनपुर की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा ईनाम की घोषणा की गई अभियुक्त सुरेश पर 15,000/- रुपए तथा शिव कुमार व जयकरन पर 10,000-10,000/- रुपए का ईनाम घोषित हुआ है अभियुक्तगण घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे हैं। जिसकी गिरफ्तारी हेतु गठित टीमों द्वारा लगातार दबिस दी जा रही है एसपी ने बताया कि फरार अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं।

गुनाहों के बाद गुनाह हर मामले में दबंग को मिली माफी

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। महेवा घाट थाना क्षेत्र के गौरा तफ़रीक गांव निवासी मुन्नालाल के पिता गिरजा गांव की आराजी गाटा संख्या 86 के सह हिस्सेदार है इसी आराजी में चंदा देवी सुनीता देवी भी हिस्सेदार है मुन्ना ने अपने जमीन के रास्ते पर तो कई वर्षों पहले मकान बना लिया जिससे मुन्ना के शेष जमीन का रास्ता बंद हो गया और जब उसकी जमीन का रास्ता बंद हो गया तो मुन्ना ने चंदा देवी और सुनीता देवी की जमीन से रास्ता मांगने का दबाव बनाना शुरू कर दिया आए दिन गाली गलौज करना परेशान करने और प्रताड़ित करने से परेशान होकर सुनीता और चंदा ने फिर पुलिस थाने में गुहार लगाई लेकिन कायर्वाही के नाम पर नतीजा शून्य रहा सुनीता देवी और चंदा देवी की जमीन पर मुन्ना की नियत खराब है चंदा देवी और सुनीता देवी ने जब अपने जमीन से रास्ता देने से इनकार कर दिया जिस पर 3 वर्ष पहले चंदा देवी सुनीता देवी को मुन्ना ने मारा पीटा जबरदस्ती रास्ता लेने का प्रयास किया गया मामले की सूचना महेवा घाट थाना पुलिस तक पहुंची तत्कालीन थानेदार ने मुन्ना के गुनाह पर मुकदमा दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी करने की बजाय चंदा देवी और सुनीता देवी से समझौता करवा दिया समझौता पत्र दो गवाहों के बीच थाने के अंदर लिखा गया उस समय मामला तो ठंडा हो गया और मुन्ना दूसरी बार भी जेल जाने से बच गया लेकिन कुछ दिन बाद मुन्ना का आतंक फिर शुरू हो गया थाने के पंचायत को वह घोट कर पी गया और तानाशाह बन गया फिर चंदा देवी और सुनीता देवी की जमीन से हिस्सा मांगने लगा जबकि थाने में समझौते के समय मुन्ना ने सुनीता देवी चंदा देवी की जमीन से रास्ता न लेने की बात स्वीकार की थी थाने में समझौता की बात मुन्ना भूल गया और पुलिस ने भी मुन्ना को थाने में समझौते की बात याद नहीं दिलाई मुन्ना का यह तीसरा गुनाह था इस बार भी चंदा देवी सुनीता देवी ने अपनी निजी भूमि से मुन्ना को हिस्सा देने से इनकार कर दिया मामला फिर पुलिस से लेकर तहसील प्रशासन की चौखट पर पहुंचा लेकिन चंदा देवी और सुनीता देवी को मुन्ना के आतंक से निजात नहीं मिल सकी और इसी बीच मुन्ना ने चंदा देवी और सुनीता देवी के खेत में बोई गई लहसुन सरसों की फसल को ट्रैक्टर से जोत करके नष्ट कर दिया है तानाशाही से दूसरे की फसल को नष्ट करना और सीना ठोक कर ललकारना यह किसी गुंडई से कम नहीं है खेत में हरी-भरी खड़ी तैयार फसल को मुन्ना के द्वारा नष्ट कर दिए जाने के बाद सुनीता देवी चंदा देवी का 30 हजार रुपए से अधिक की फसल का नुकसान हो गया है मुन्ना का यह चौथा गुनाह था यह मामला भी थाना और तहसील तक पहुंचा है लेकिन सुनीता और चंदा को न्याय नहीं मिल सका इस बार भी मुन्ना के विरुद्ध मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है जबकि राजस्व अभिलेखों में सुनीता और चंदा के नाम जमीन दर्ज है इस बात को लेखपाल भी स्वीकार करते हैं कि चंदा देवी और सुनीता देवी अपनी जमीन की मालकिन है लेकिन अपने मालिकाना हक की जमीन पर महिलाएं काबिज नहीं हो पा रही हैं राजस्व अभिलेख लेकर सुनीता देवी और चंदा देवी थाना पुलिस से लेकर पुलिस अधिकारी और तहसील प्रशासन तक न्याय के लिए दौड़ रही है लेकिन 3 वर्ष से अधिक बीत जाने के बाद सुनीता और चंदा को ना तो थाने से न्याय नहीं मिला और ना तो राजस्व विभाग से न्याय मिला सुनीता के रिश्तेदार वीरन निवासी पौर काशीरामपुर उसके साथ थाना तहसील पहुंच जाते हैं जिससे सुनीता के रिश्तेदार वीरन से भी मुन्ना रंजिश रखने लगा और 24 जनवरी को सुनीता के रिश्तेदार वीरन हिनौता बाजार खेत के लिए खाद लेने आए थे रास्ते में मुन्ना मिल गया और वीरान को रोक लिया और बीच सड़क पर गाली गलौज कर लात घूंसा से वीरन को मारा पीटा जिससे कारण वीरान को चोट आई है मुन्ना का यह पांचवां गुनाह भी महेवा घाट थाना पुलिस तक पहुंचा लेकिन इस बार भी मुन्ना के विरुद्ध मुकदमा नहीं दर्ज हुआ गिरफ्तारी नहीं हुई मामले को लेकर 04 फरवरी को पुलिस अधीक्षक की चौखट पर चंदा देवी और सुनीता देवी फिर पहुंची है और शिकायती पत्र देकर मुन्ना के अत्याचार से निजात दिलाने और उसकी जमीन से रास्ते के नाम पर हिस्सा मांगने वाले मुन्ना पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

अपने रास्ते की जमीन में मकान बनाकर पड़ोसी की जमीन से रास्ता मांग रहा दबंग

न्यूज झरोखा

अंतरराष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन में सम्मानित हुए डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह

हरयरपुर कौशांबी। भव्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन ग्लोबल डायमंड आइकन अवार्ड 2026 में स्टेट रिसोर्स ग्रुप,उत्तर प्रदेश के सदस्य डॉ.ओम प्रकाश सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है इसके पहले उन्हें जिलाधिकारी कौशांबी द्वारा भी बेहतर कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जा चुका है निपुण कौशांबी पत्रिका का त्रैमासिक संपादन डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह द्वारा किया जा रहा है प्रशस्ति पत्र पाकर सम्मानित हुए डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि विद्यार्थी शिक्षक अभिभावक आप सभी के सहयोग समर्पण और विश्वास से शिक्षा का यह पावन यज्ञ निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। विद्यार्थी जिज्ञासा,अनुशासन और परिश्रम से अपने सपनों को आकार दें; शिक्षक अपने ज्ञान, संवेदनशीलता और मार्गदर्शन से व्यक्तित्व गढ़ें; अभिभावक स्नेह और संस्कारों से संबल दें; तथा अधिकारीगण दूरदर्शी नेतृत्व से व्यवस्था को सुदृढ़ करें यही समन्वय कौशाम्बी के सशक्त भविष्य की नींव है।आप सभी के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण समावेशी और नवाचारी शिक्षा का संकल्प सिद्ध हो इसी विश्वास के साथ आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह ने दी है।

फरियादियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु एसपी ने किया ऑनलाइन संवाद

कौशांबी पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा दिनांक 04. 02.2026 को पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई।इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो। फरियादियों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा एक अभिनव एवं सराहनीय पहल की गई है। इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों पर उपस्थित फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं के संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्षों से ऑनलाइन माध्यम से संवाद स्थापित किया गया है।इस ऑनलाइन संवाद के दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया है तथा प्रत्येक प्रकरण का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध,निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण नियमानुसार हो तथा फरियादियों को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

उपनिरीक्षक राकेश राय को स्टार लगाकर पुलिस अधीक्षक ने पदोन्नति प्रदान की

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा दिनांक 04.02.2026 को पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में शासनादेश के क्रम में उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस से निरीक्षक नागरिक पुलिस के पद पर प्रोन्नत हुए उपनिरीक्षक राकेश राय को स्टार लगाकर पदोन्नति प्रदान की गई।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा राकेश राय को निरीक्षक नागरिक पुलिस के पद पर पदोन्नति हेतु बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।

बहन के घर से गहनों की चोरी करने वाला भाई जेवर के साथ गिरफ्तार

कौशांबी पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के बरुवा गांव निवासी सीमा देवी पत्नी गंगा प्रसाद के घर से महिला के भाई नीरज पुत्र सोहन लाल साहू निवासी ग्राम पूरब शरीरा थाना पश्चिम शरीरा द्वारा 25 जनवरी को सोने की नाक की कील व दो जोड़ी चांदी की चेन पट्टी व 2000 रुपया चोरी कर लिया थाना पर मु0अ0सं0 17/2026 धारा 305 बीएनएस पंजीकृत हुआ पश्चिम शरीरा पुलिस ने नीरज पुत्र सोहनलाल साहू को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की 02 जोड़ी चेन पट्टी (सफेद धातु) व 01 अदद नाक की कील (पीली धातु) बरामद हुआ विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया हैं।

डीपीआरओ कार्यालय के कर्मी की दुखद मौत

कौशांबी। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में तैनात सुरेश चंद्र यादव की बीमारी के बाद इलाज के दौरान दुखद मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलते ही पूरे विकास भवन में शोक की लहर व्याप्त हो गई है सुरेश चंद्र यादव के भाई दिनेश कुमार यादव खंड विकास अधिकारी कार्यालय मंझनपुर में कार्यरत है दिनेश कुमार के भाई सुरेश कुमार की मौत की जानकारी मिलते ही पूरे विकासखंड कार्यालय मंझनपुर में भी शोक की लहर व्याप्त रही कमर्चारियों ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।

नाबालिक बालिका को भगा ले गया युवक

कौशांबी चरवा थाना क्षेत्र के एक गांव से 27 जनवरी को एक नाबालिग बालिका को गांव का युवक अतुल कुमार उर्फ पिंटू भगा ले गया है परिवार के लोगों का कहना है कि बालिका को लेकर के अतुल मुंबई चला गया है मामले की सूचना परिवार के लोगों ने चरवा थाना पुलिस को दी है पुलिस ने 30 जनवरी को मुकदमा दर्ज कर लिया है घटना को एक सप्ताह बीत गए हैं लेकिन अभी तक नाबालिग बालिका का सुराग नहीं लगा है जिससे परिवार के लोग परेशान हैं गायब बालिका के पिता का आरोप है कि लड़की लेकर भागने वाला युवक अतुल के पिता का कहना है कि ज्यादा खोजबीन करोगे तो तुम्हारी लड़की को मरवा कर फिकवा दूंगा

06 जनसेवा केन्द्र की आई.डी. तत्काल प्रभाव से निरस्त

कौशांबी। भारत सरकार द्वारा संचालित फार्मा रजिस्ट्री योजनान्तर्गत एग्री स्टैक पोर्टल पर जनपद कौशाम्बी के समस्त कृषकों के रजिस्ट्रेशन का कार्य जन सेवा केन्द्र सी.एस.सी. के माध्यम से किया जाना है। जनपद कौशाम्बी में कृषको के रजिस्ट्रेशन की प्रगति बहुत ही खराब है, जिसके लिए जिलाधिकारी के निर्देशानुसार समस्त ग्राम पंचायतों में स्थापित समस्त जनसेवा केन्द्र से कृषकों का फॉर्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य अभियान चलाकर कराया जा रहा है। यह जानकारी अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शालिनी प्रभाकर ने देते हुए बताया कि इस अभियान में सभी जनसेवा केन्द्र संचालकों द्वारा आवश्यक सहयोग करते हुए अधिक से अधिक कृषकों का रजिस्ट्रेशन किया जाना है, जिसमें पाया गया है कि निरन्तर दिये गये निर्देशों के बावजूद जनसेवा केन्द्र संचालको द्वारा अपने ग्राम पंचायतों से सम्बन्धित कृषको का पंजीकरण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, जिसके कारण जनपद की प्रगति में वृद्धि नहीं हो पा रही है जनसेवा केन्द्र संचालक-शुभम कुमार साहू सन्तोष कुमार,शिवम पाण्डेय अनीस अहमद विजय कुमार एवं सर्वेश मिश्रा की सम्बन्धित जन सेवा केन्द्र आई.डी. तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

सम्पादकीय

वास्तविक चिंताओं से कटा बजट

मोदी सरकार ने एक बार एक ऐसा बजट पेश किया है, जिसमें आम जनता के लिए कुछ नहीं है, जबकि धनपतियों के लिए पूरा मौका है कि वे अपनी तिजोरी का धन दोगुना-चौगुना कर लें। अमेरिका की तरफ से पड़ी टैरिफ की मार और बदलते भू राजनैतिक समीकरणों के बीच मोदी सरकार के पास बजट के रूप में एक अच्छा मौका था, जब वह आम आदमी की चिंता को सीधे संबोधित करती और उसकी रोजमर्रा की समस्याओं का हल पेश करती। लेकिन जैसे नरेन्द्र मोदी आज की बात न कर या तो हजार साल पहले की बात करते हैं या आने वाले सौ साल में देश कहां हो सकता है, इसके सपने दिखाते हैं। तो बजट में भी ऐसे ही दूर के सपने दिखाए गए हैं। 10,000 करोड़ रुपए के बायोफार्मा शक्ति प्रोग्राम से लेकर इंडिया सेमी कंडक्टर मिशन 2.0 के तहत सेमी कंडक्टर की महत्वाकांक्षाओं का विस्तार, 40,000 करोड़ की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स स्कीम, और कई सेक्टरों में मैन्युफैक्चरिंग इंसेंटिव जैसी बातें निर्मला सीतारमण के भाषण में छाई रहीं। लेकिन ग्रामीण भारत के मजदूर-किसान, बेरोजगार युवा, छोटे और मध्यम कारोबारी, गृहणियां जिन रोजमर्रा के संकटों से दो-चार होती हैं, उस पर बजट लगभग खामोश रहा। सरकार मनरेगा की जगह वीबी जीरामजी कानून लाकर उसके प्रचार के लिए विज्ञापन पर भारी खर्च कर रही है। लेकिन बजट भाषण में इस बारे में चुप्पी बता रही है कि ग्रामीण भारत से मोदी सरकार का कोई लेना-देना नहीं है।

खेती-बाड़ी पर विविधकरण और नारियल, कोको, चंदन और मेवे जैसी 'उच्च मूल्य वाली फसलों' पर बजट भाषण में बात हुई। इससे संपन्न व्यावसायिक किसानों को तो फायदा हो सकता है, लेकिन उन अनाज किसानों के लिए सीधे तौर पर किसी मदद की बात नहीं की गई जो भारत की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य, खेती में बढ़ती लागत या फसलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसे मुद्दों का भाषण में कोई जिक्र नहीं था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सही कहा है कि यह बजट देश की समस्याओं से आंख मूंदने वाला है। राहुल गांधी ने लिखा कि देश में युवा बेरोजगार हैं, उत्पादन गिर रहा है, निवेशक पूंजी बाहर निकाल रहे हैं, घरेलू बचत तेजी से घट रही है और किसान संकट में हैं। वैश्विक स्तर पर आने वाले झटकों का खतरा मंडरा रहा है, लेकिन बजट इन सभी मुद्दों को नजरअंदाज करता है और आंखें मूंदने वाला है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा बजट है जो सुधार से इनकार करता है और भारत के असली संकटों के प्रति अंधा बना हुआ है। हकीकत यही है कि इस बजट में देश में अमीरों और गरीबों के बीच बढ़ चुकी आर्थिक असमानता पर कोई चिंता नहीं व्यक्त की गई है और न ही एससी, एसटी, ओबीसी, कमजोर आर्थिक वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता दी गई है। मोदी सरकार हर साल नए तरह के सपने बजट में दिखाती है और पिछले सपनों को भूल जाती है। जैसे अब मेक इन इंडिया पर कोई बात नहीं होती। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में कितना घोटाला हुआ, यह हाल ही में आई रिपोर्ट्स से पता चलता है।

नारी देह, नारी अधिकारः माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट की दृष्टि

-ललित गर्ग-

भारत के सामाजिक विकास की यात्रा में महिलाओं की स्थिति हमेशा एक निर्णायक कसौटी रही है। किसी भी राष्ट्र की प्रगति केवल आर्थिक आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से आँकी जाती है कि वह अपने समाज के आधे हिस्से-महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर देता है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट ने 30 जनवरी 2026 को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए मासिक धर्म स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार घोषित किया है। कोर्ट ने देश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छात्राओं को मुफ्त और सुरक्षित बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मासिक धर्म स्वच्छता को गरिमा और स्वास्थ्य के साथ जीने के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया है। स्कूलों में साफ-सुथरे शौचालय और पानी की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। इस निर्णय का उद्देश्य पीरियड्स के कारण लड़कियों की पढ़ाई में होने वाली बाधा को रोकना और उन्हें शर्मिंदगी से बचाना है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं और विशेषकर स्कूली लड़कियों की माहवारी से जुड़ी समस्या पर दिया गया ऐतिहासिक निर्णय, एक सशक्त और दूरदर्शी कदम है। कर्नाटक सरकार ने सरकारी और प्राइवेट क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के लिए 12 दिन का सवेतन पीरियड लीव नीति को भी मंजूरी दी है। यह फैसला स्कूलों में मासिक धर्म प्रबंधन की कमी को दूर करने और छात्राओं के सम्मानजनक शिक्षा के अधिकार की सुरक्षा के लिए एक बड़ा कदम है। स्कूलों में अनिवार्य रूप से सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने वाला संदेश है कि अब माहवारी जैसे विषय को चुप्पी, लज्जा और अज्ञान के अंधेरे में नहीं छोड़ा जा सकता।

विडंबना यह है कि जिस माहवारी को प्रकृति ने जीवन-चक्र का अनिवार्य और स्वस्थ हिस्सा बनाया है, उसे हमारे समाज ने सदियों से अपवित्रता, अशुद्धता और वर्जना से जोड़ दिया। परिणामस्वरूप, करोड़ों महिलाएँ और किशोरियाँ न केवल शारीरिक कष्ट झेलती हैं, बल्कि मानसिक पीड़ा, हीनभावना और सामाजिक बहिष्कार का भी सामना करती हैं। आज भी भारत के अनेक हिस्सों में माहवारी के दौरान लड़कियों को रसोई, पूजा, स्कूल और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखा जाता है। यह व्यवहार केवल परंपरा नहीं, बल्कि स्त्री की गरिमा और अधिकारों का प्रत्यक्ष हनन है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी कि ह्लमाहवारी स्वच्छता की कमी महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती हैह्व इस पूरे विमर्श को एक नई संवैधानिक दृष्टि देती है। संविधान द्वारा प्रदत्त जीवन और गरिमा के अधिकार को यदि वास्तविक अर्थों में लागू करना है, तो महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देनी ही होगी। स्कूलों में सेनेटरी पैड की अनिवार्य व्यवस्था इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कई अध्ययन बताते हैं कि स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में बड़ी संख्या में लड़कियाँ किशोरावस्था में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह केवल शिक्षा का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समाज की बौद्धिक और नैतिक पूंजी की क्षति है।

न्यायालय ने शिक्षा को एक ह्यमल्टीप्लायर राइटह्व बताया जो अन्य मानवाधिकारों के उपयोग की कुंजी है। न्यायालय ने इस निर्णय को केवल आदर्शों की घोषणा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जमीन पर उतारने के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक निर्देश दिए। कक्षा 6 से 12 तक की सभी छात्राओं को मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाले ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। इन पैड्स का एएसटीएम डी-6954 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य किया गया, ताकि स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके। साथ ही, पैड्स की सहज, सुरक्षित और गोपनीय उपलब्धता के लिए स्कूलों में वेंडिंग मशीन या नामित अधिकारी की व्यवस्था तय की गई, जिससे छात्राओं की झिझक और असहजता पूरी तरह दूर की जा सके। इसके साथ ही स्कूलों में ह्लमासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन कॉर्नरह्व स्थापित करने का आदेश दिया गया, जहाँ अतिरिक्त यूनिफॉर्म, स्पेयर इनरवियर, डिस्पोजेबल बैग और आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध होगी। दिव्यांग छात्राओं के लिए व्हीलचेयर-अनुकूल शौचालय और सहायक उपकरण जैसी विशेष सुविधाएँ अनिवार्य की गईं। निजी स्कूलों द्वारा निदेर्शों की अवहेलना पर मान्यता रद्द करने का प्रावधान रखकर जवाबदेही को मजबूत किया गया, ताकि यह फैसला केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि हर छात्रा के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सके।

माहवारी स्वच्छता केवल पैड उपलब्ध कराने तक सीमित विषय नहीं है। इसके साथ जुड़ा है स्वच्छ शौचालय, साफ पानी, कचरा निस्तारण की व्यवस्था और सबसे महत्वपूर्णकृसही जानकारी। आज भी अनेक लड़कियाँ पहली माहवारी के समय भय, भ्रम और अपराधबोध से घिर जाती हैं क्योंकि उन्हें पहले से कोई वैज्ञानिक और संवेदनशील जानकारी नहीं दी जाती। स्कूलों में यदि स्वास्थ्य शिक्षा को गंभीरता से लागू किया जाए और माहवारी को एक सामान्य जैविक प्रक्रिया के रूप में समझाया जाए, तो यह डर और संकोच स्वतः समाप्त हो सकता है। यह भी सच है कि माहवारी को लेकर समाज में फैली चुप्पी पुरुषों की भूमिका को भी प्रश्नों के घेरे में लाती है। जब तक पुरुष-चाहे वे पिता हों, शिक्षक हों, प्रशासक हों या नीति-निमार्ता, इस विषय को केवल ह्लमहिलाओं का मामलाह्व मानकर किनारे करते रहेंगे, तब तक वास्तविक बदलाव संभव नहीं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं कि उन्होंने समाज और खासकर पुरुषों को संवेदनशील बनने का अवसर दिया है। जागरूकता का अर्थ केवल महिलाओं को सशक्त बनाना नहीं, बल्कि पुरुषों को सहृदय और जिम्मेदार बनाना भी है।

ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में माहवारी से जुड़ी चुनौतियाँ और भी गंभीर हैं। वहाँ आज भी कपड़े, राख या अस्वच्छ साधनों का उपयोग आम है, जिससे संक्रमण और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। सरकारी योजनाएँ और गैर-सरकारी प्रयास मौजूद हैं, परंतु उनकी पहुँच और प्रभावशीलता अभी भी सीमित है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय यदि ईमानदारी से लागू होता है, तो यह नीति और जमीन के बीच की खाई को पाटने में सहायक हो सकता है। यह भी विचारणीय है कि माहवारी स्वच्छता को केवल कल्याणकारी योजना न मानकर महिला अधिकारों के व्यापक ढाँचे में देखा जाए। स्वास्थ्य का अधिकार, शिक्षा का अधिकार और समानता का अधिकार-तीनों इस विषय से सीधे जुड़े हैं। एक ऐसी व्यवस्था जहाँ लड़की केवल इसलिए स्कूल न जा सके क्योंकि उसके पास सेनेटरी पैड नहीं हैं, वह व्यवस्था संविधान की आत्मा के विपरीत है। इसलिए यह फैसला सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी मजबूती देता है।

आज भारत ह्लनए प्रवेशह्व के साथ आगे बढ़ने की बात करता है-डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखता है। किंतु यदि इस विकास की गाथा में महिलाओं की बुनियादी आवश्यकताएँ और सम्मान शामिल नहीं हैं, तो यह प्रगति खोखली सिद्ध होगी। वास्तविक विकास वही है जो सबसे कमजोर वर्ग की पीड़ा को समझे और उसे दूर करने का साहस रखे। माहवारी जैसे विषय पर खुली चर्चा उसी साहस का प्रतीक है। समाज में जन-जागृति लाना इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। कानून और आदेश दिशा दिखा सकते हैं, परंतु मानसिकता बदलना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। मीडिया, शिक्षा संस्थान, धार्मिक और सामाजिक संगठन सभी को मिलकर माहवारी को लेकर फैली भ्रांतियों को तोड़ना होगा। इसे शर्म का नहीं, स्वास्थ्य और स्वाभिमान का विषय बनाना होगा। अंततः, सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय एक शुरूआत है, मंजिल नहीं। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम इसे कितनी ईमानदारी से लागू करते हैं और कितनी संवेदनशीलता से अपनाते हैं। यदि हम सचमुच एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानवीय भारत का निर्माण चाहते हैं, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के साथ नया भारत बनाना चाहते हैं तो महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों को विकास के केंद्र में रखना ही होगा। माहवारी से मुक्ति का अर्थ केवल शारीरिक सुविधा नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और संवैधानिक स्वतंत्रता है। यही स्वतंत्रता किसी भी सभ्य और प्रगतिशील समाज की पहचान होती है।

यूजीसी : पिछड़े दलितों का नेतृत्व पूरी तरह असफल

शकील अख्तर

दलित पिछड़ों को क्या मिला? मंडल के 35 साल बाद फिर वैसा ही सवर्ण आंदोलन हुआ और इस बार उन्होंने जीत भी हासिल कर ली। मंडल के समय प्रधानमंत्री वीपी सिंह का राजनीतिक अस्तित्व दांव पर लगा था इसलिए मंडल लागू हो गया। मगर इस बार सरकार समानता के साथ नहीं थी इसलिए असमानता का पुराना जमाना बरकरार रहा।

देश के कमजोर वर्ग के पास अगर नेतृत्व होता तो यूजीसी के समानता नियम इस तरह ठंडे बस्ते में नहीं जा सकते थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मोदी सरकार पर अगर दबाव पड़ता तो उसे कानून बनाकर समानता के इन नियमों को बनाए रखना पड़ता। नियम दलित पिछड़े आदिवासी छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय और अन्य उच्च शिक्षण संस्थाओं में जातिगत भेदभाव से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ही बनाए गए थे। किसी सामाजिक राजनीतिक आंदोलन की वजह से नहीं।

मंडल क्यों आया था इसके बहुत सारे कारण हैं। मगर पिछड़ों के किसी आंदोलन की वजह से नहीं। वह पिछड़ों को आसमान से टपका लाभ था। उसके बाद पिछड़ों के नेताओं को सत्ता लाभ भी मिला। बिहार में लालू यादव, नीतीश कुमार को और उत्तर प्रदेश में मुलायम, अखिलेश यादव को। दलित उभार भी हुआ और इसकी वजह से मायावती मुख्यमंत्री बनीं और रामविलास पासवान बड़े नेता। शरद यादव भी बड़े नेता बने।

मगर दलित पिछड़ों को क्या मिला? मंडल के 35 साल बाद फिर वैसा ही सवर्ण आंदोलन हुआ और इस बार उन्होंने जीत भी हासिल कर ली। मंडल के समय

प्रधानमंत्री वीपी सिंह का राजनीतिक अस्तित्व दांव पर लगा था इसलिए मंडल लागू हो गया। मगर इस बार सरकार समानता के साथ नहीं थी इसलिए असमानता का पुराना जमाना बरकरार रहा। जिसकी वजह से रोहित वेमूला, पायल तड़वी और कई वो जो चर्चा में नहीं आ पाए जिन्दा नहीं बचे।

समानता नियम में क्या था? कि प्रशासन को सुनवाई करना पड़ेगी। रोहित वेमूला और पायल तड़वी का परिवार यही कहने तो सुप्रीम कोर्ट में गया था उनके बच्चों पर अन्याय होता रहा मगर शिक्षण संस्थाओं ने उनकी नहीं सुनी। अब और ज्यादा नहीं सुनेंगे! सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों पर रोक लगाकर उन तत्वों को और ज्यादा हिम्मत दे दी है जो जातिगत आधार पर भेदभाव करते हैं और यह मानते हैं कि दलित आदिवासी पिछड़ों को उतनी शिक्षा का अधिकार नहीं है जितनी हमने प्राप्त की है और हमारे बच्चे कर रहे हैं। अगर कोई सोशल मीडिया पर स्टडी करके पिछले दो हफ्ते के कमेंट निकाले तो मालूम पड़ जाएगा कि वंचित समुदाय के लिए क्या क्या कहा गया है।

कौन करेगा यह काम? यहीं नेतृत्व की जरूरत मालूम पड़ती है। सवर्णों की तरफ से बताया जाने लगा कि एससी एसटी एक्ट का कितना दुरुपयोग हुआ है। सच झूठ किसी को नहीं मालूम मगर ह्वाट्सएप ग्रुपों से लेकर मीडिया तक में पहले से बनाई गई धारणा को बढ़ावा दिया जाने लगा कि नए नियमों का भी ऐसे ही दुरुपयोग होगा और ठीक यही बात सुप्रीम कोर्ट ने कह दी। दुरुपयोग की आशंका। हमने पहले भी बताया है फि? बता रहे हैं कि ऐसे ही अंग्रेज कहते थे कि भारत में आजादी के दुरुपयोग की आशंका होगी। खुद वहां के प्रधानमंत्री विस्टन चर्चिल ने कहा था।

दलित पिछड़े आदिवासी इसका जवाब कैसे देंगे? पहली बात तो खुद जागरुक नहीं है और फिर यही सवाल कि जागरुकता, चेतना आती कैसे है? जनशिक्षण से। और यह कौन करता है नेतृत्व। नेहरु अपने कैबिनेट के मंत्रियों को सैद्धांतिक क्लासों में भेजते थे। सिद्धांत मजबूत होना चाहिए। दलितों में आम्बेडकर के बाद कोई जनशिक्षण करने वाला नहीं हुआ। कांशीराम ने अपने शुरूआती दौर में यह काम किया। मगर बाद में सिर्फ मायावती को मुख्यमंत्री बनाने में अपनी सारी ताकत लगाए रखे और मायावती उन्होंने तो दलित चेतना आगे बढ़ाने के बदले नए नियमों को समाज में तनाव बढ़ाने वाला बता दिया। वे संघ और भाजपा जितनी ही प्रतिगामी होने की कोशिश कर रही हैं। दलितों में क्या नया नेतृत्व पैदा होगा?

अन्य पिछड़ों के लिए यह सवाल और ज्यादा जरूरी है। यूजीसी के नए नियमों में पीड़ितों में पिछड़ों को भी जोड़ा गया था। इससे पहले एससी एसटी एक्ट ही काम करता था। उसमें पिछड़े नहीं थे। मायावती जो नए नियमों को समाज में तनाव पैदा करने वाला बता रही हैं उसका बड़ा कारण पिछड़ों का इन नए नियमों में आना है। बचाव पिछड़ों पर छोड़ दिया गया। मगर पिछड़ों के पास तो इस तरह का नेतृत्व बिल्कुल ही नहीं है।

लालू प्रसाद यादव ने पिछड़ों में स्वाभिमान जगाने का काम किया। मगर वह सब पिछड़ों के लिए नहीं हो सका। उनकी जाति के लोगों को ही इसका ज्यादा फायदा मिला। व्यापक पिछड़ा हित जैसा काम नहीं हो सका। फिर जनशिक्षण के अभाव में दूसरी पिछड़ी जातियों और यादवों के बीच दूरी बढ़ती चली गई। ऐसा ही उत्तर प्रदेश में हुआ। मायावती की जाति में जो चेतना आई वह दूसरी दलित जातियों में पैदा करने की कोशिश ही नहीं हुई। जाहिर है कि उनकी अपनी जाति का नेतृत्व इतना काम नहीं कर पाया।

नीतीश ने पिछड़ों और दलितों की एकता को महादलित और अति पिछड़ा बनाकर और तोड़ डाला।

अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ युद्ध से ज्यादा फायदा उठा रहे हैं शी

नित्य चक्रवर्ती

चीनी विदेश नीति विश्लेषक तो शी-स्टारमर शिखर सम्मेलन के नतीजे को नाटो सदस्यों सहित यूरोपियन देशों की विदेश नीति सोच में बड़े बदलावों का इशारा मानते हैं। चीन-यूके के रिश्तों में कई सालों से मंदी का दौर चल रहा है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट की 'हॉट एंड कोल्डइ चीन नीति एक बड़ा कारक रही है, फिर भी यह साफ तौर पर ब्रिटेन को वे फायदे देने में विफल रही है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटिश प्रधान मंत्री कीर स्टारमर के बीच गुरुवार, 29 जनवरी को बीजिंग में हुई मीटिंग खास मायने रखती है, ऐसे समय में जब ब्रिटेन ग्रीनलैंड की सम्प्रभुता को लेकर अपने ट्रांस अटलांटिक सहयोगी अमेरिका से लड़ रहा है और राष्ट्रपति ट्रंप ने आर्कटिक में चीन और रूस से सुरक्षा के खतरे को अमेरिका द्वारा द्वीप पर कब्जा करने के कदम का मुख्य कारण बताया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने अपनी बीजिंग बैठक में सुरक्षा के मुद्दे को हाशिए में रखा और आर्थिक सहभागिता और साझे हित के दूसरे मुद्दों पर ज्यादा ध्यान दिया। उनके साथ 60 सदस्यों का एक उच्च शक्ति वाले व्यावसायिक प्रतिनिधि मंडल भी था, जिन्हें चीन में निवेश करने के मौकों का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाने की सलाह दी गई थी। चीनी अधिकारियों ने चार दिन

के इस दौरे को चीन-ब्रिटेन द्विपक्षीय रिश्तों में एक अहम पल बताया।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए इस दौरे की अपनी अहमियत थी, क्योंकि पश्चिमी मीडिया इस साल अक्टूबर से पिछले चार महीनों में चीन के ज्यादातर उच्च मिलिटरी नेतृत्व, जिसमें नंबर दो भी शामिल हैं, को हटाने की कहानियों से भरा पड़ा है। यह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व में राजनीतिक नतीजों वाला एक बड़ा घटनाक्रम था। सवाल थे कि क्या शी का पूरा नियंत्रण था। चीनी प्रमुख ने ऐसा आभास दिया कि निष्कासन के बाद की स्थिति पर उनका पूरा नियंत्रण है और वे एक-एक करके राजनयिक कामयाबी हासिल करते गए, जिससे चीन के मुख्य दुश्मन अमेरिका को नुकसान हुआ।

चीनी विदेश नीति विश्लेषक तो शी-स्टारमर शिखर सम्मेलन के नतीजे को नाटो सदस्यों सहित यूरोपियन देशों की विदेश नीति सोच में बड़े बदलावों का इशारा मानते हैं। चीन-यूके के रिश्तों में कई सालों से मंदी का दौर चल रहा है। 10 डाउनिंग स्ट्रीट की 'हॉट एंड कोल्डइ चीन नीति एक बड़ा कारक रही है, फिर भी यह साफ तौर पर ब्रिटेन को वे फायदे देने में विफल रही है जिनकी उसने कल्पना की थी। दूसरी ओर, फ्रांस और जर्मनी ने चीन के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए ज्यादा व्यावहारिक कदम उठाए।

यूके सरकार के कुछ सूत्रों का कहना है कि चीन को नज?अंदाज करने से देश सिर्फ 'गरीब और कम सुरक्षितइ होगा। 'अप्रत्याशितइ अमेरिका के सामने, पश्चिमी देश अपने बाहरी रिश्तों में ज्यादा 'प्रत्याशाइ की तलाश कर रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, स्टारमर की बातों को पश्चिमी नेताओं के हाल के बयानों के साथ तालमेल बिठाने के तौर पर देखा जा सकता है- या, दूसरे शब्दों में, यह इस बात का संकेत है ।

पुलिस ने किया शेयर मार्केट फ़्रॉड का बड़ा खुलासा

अखंड भारत संदेश

सुल्तानपुर । साइबर क्राइम पुलिस ने अंतरराज्यीय साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का पदार्फाश करते हुए असम,मुंबई और पश्चिम बंगाल से जुड़े सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि एक ही मोडस ऑपरेंडी अपनाकर अलग-अलग राज्यों में करोड़ों रुपये की ठगी की गई।मामले का खुलासा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह ने किया।पुलिस के अनुसार अमेठी निवासी एक व्यक्ति से 85 लाख रुपये और लखनऊ निवासी से 1.85 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। जांच के दौरान पीड़ित के खाते से ट्रांसफर हुई रकम असम से जुड़े बैंक खातों में पहुंचने की

पुष्टि हुई,जिसके बाद पुलिस टीम ने असम जाकर आरोपियों की गिरफ्तारी की। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह क्लोनिंग एप के जरिए फर्जी निवेश कंपनी बनाकर लोगों को मुनाफे का लालच देता था।एसपी के निर्देशन में मुंबई से भी आरोपियों को पूछताछ के लिए सुल्तानपुर लाया गया।पुलिस ने कार्रवाई के दौरान मोबाइल फोन,चेकबुक,एटीएम कार्ड बरामद किए हैं,

जबकि 333 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वाले ऑनलाइन खाते फ्रीज किए गए हैं। साथ ही करोड़ों रुपये की क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े खाते भी सामने आए हैं।पुलिस का कहना है ।

जरई कला में सीसी सड़क का लोकार्पण,बोले शिवकुमार सिंह- ग्रामीण विकास हमारी प्राथमिकता

अखंड भारत संदेश

सुल्तानपुर। बल्दीराय विकास खंड अंतर्गत जरई कला गांव में बुधवार को जिला पंचायत सुल्तानपुर की पंचम राज्य वित्त योजना के तहत निर्मित सीसी सड़क का लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री मार्ग से पल्लर यादव के द्वार से कैप्टन देवनाथ सिंह के द्वार की ओर बनी सीसी सड़क का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने फीता काटकर किया।लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान गांव में उत्साह का माहौल रहा।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे आवागमन सुगम होगा और बरसात के मौसम में कीचड़ व जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि शिवकुमार सिंह ने कहा कि जिला पंचायत का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से अनुदेशको मे खुशी की लहर

अखंड भारत संदेश

सुलतानपुर । सुप्रीम कोर्ट ने हाइकोर्ट इलाहाबाद के सिंगल बेंच के आदेश को बहाल कर दिया जिसमें सिंगल बेंच ने मार्च 2017 से 9प्रतिशत ब्याज के साथ भुगतान का आदेश दिया था।माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कहा अनुदेशक लगातार कार्य कर रहे है इस अवधि में दूसरी नौकरी भी नही कर सकते 10 वर्ष से अधिक सेवा दे चुके है इसलिए यह पद स्थायी हो चुका है।कहने का मतलब स्थायी किया जाय।

आदेश केअनुपालन 1 अप्रैल 2026 से किया जाय।एरियर भुगतान की प्रक्रिया को 6 माह के अंदर पूर्ण किया जाय।अंशकालिक शिक्षकों के मानदेय एवं सेवा-

स्थिति के संबंध में स्थिति स्पष्टिकरण अंशकालिक शिक्षकों की नियुक्ति, निर्धारित अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात भी केवल संविदात्मक नहीं मानी जा सकती। नियुक्ति की अवधि समाप्त होने के बाद भी उनसे निरंतर सेवाएँ ली जाती रहीं तथा उन्हें अन्यत्र नौकरी करने से प्रतिबंधित किया गया।

ऐसी स्थिति में यह माना जाएगा कि संबंधित पद स्वतः सृजित हो चुके हैं। कहने का मतलब इनके पद स्वतः ही स्थायी हो गए।अंशकालिक शिक्षकों को दिया जा रहा ?7,000 प्रतिमाह का मानदेय,जो वर्ष 2013 में निर्धारित किया गया था।

एस.आई.आर. कार्यों की विशेष रोल प्रेक्षक ने की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अर्हता तिथि एक जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण-2026 (एस.आई.आर.) के कार्यों की समीक्षा के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त विशेष रोल प्रेक्षक जे.वी.एन. सुब्रमण्यम् ने बुधवार को कलेक्टरेट सभागार में जनपद के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों सहित अन्य अधिकारियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की।

बैइक में डीएम जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने विशेष रोल प्रेक्षक को बताया कि आयोग के निदेर्शानुसार जनपद में एस.आई.आर. का कार्य बीती चार नवम्बर 2025 को प्रारम्भ हुआ था। जिसके बाद बीएलओ द्वारा घर-घर गणना पत्रों का शत-प्रतिशत वितरण एवं डिजिटाइजेशन का कार्य समय सीमा के अन्दर पूर्ण किया गया। इसमें पाया गया कि जनपद में कुल 7,38,948 मतदाता थे, जिनमें से 1,00,092 मतदाताओं द्वारा गणना प्रपत्र भरकर वापस नही किये गये, जिनका डिजीटाइजेशन नहीं किया गया। इसके बाद अर्हता तिथि एक जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन बीती एक जनवरी को जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर कर दिया गया। साथ ही जनपद के सभी राजनैतिक दलों को भी आलेख्य की एक-एक प्रति प्राप्त करा दी गई। बताया कि संम्भाजगोपरान्त जनपद में कुल 905 मतदेय स्थल, 613 मतदान केन्द्र और 6,40,537 मतदाता है। जिनमें 3,51,368 पुरुष, 2,89,170 महिला एवं नौ अन्य मतदाता है। बताया कि आलेख्य प्रकाशन के बाद से बुधवार तक कुल 10,005 फार्म-6, 529 फार्म-7 एवं 3827 फार्म-8 प्राप्त हुये है। इसके अलावा नोटिस जारी करने वाले मतदातओं की संख्या-1,71,429 है। जिसमें जनरेट नोटिश-16448 वितरित नोटिस की संख्या-12356 व नोटिस के सुनवाई की संख्या-62345 है।

बताया कि सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की सहायता के लिए मतदाता सहायता केन्द्र स्थापित किए गए है। साथ ही दावे और आपत्तियां जमा करने में मतदाताओं की सुविधा के लिए बीएलओ प्रत्येक कार्य दिवस में पूर्वांह 10 से मध्यांह 12:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे। विशेष रोल प्रेक्षक ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को एस.आई.आर. से सम्बन्धित निदेर्शों से अवगत कराया। साथ ही तहसील कर्वी में नोटिस की सुनवाई कर रहे सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से वार्ता कर नोटिस की सुनवाई के लिए उपस्थित लोगों द्वारा प्रस्तुत किये जा रहे अभिलेख को देखा तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी चन्द्रशेखर, उपजिलाधिकारी सदर पूजा साहू, मऊ रामऋषि रमन, उपजिलाधिकारी न्यायिक सौरभ यादव, एसडीएम न्यायिक राजापुर राकेश पाठक सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पॉलिटेक्निक चलो अभियान के युवाओं को प्रवेश के लिए करें जागरूक : डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) तथा समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रदेश में संचालित राजकीय, अनुदानित, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप एवं निजी क्षेत्र की पॉलिटेक्निक संस्थाओं में सत्र 2026-27 के लिए अधिक से अधिक विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए प्रेरित किया जाए। बताया कि पॉलिटेक्निक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कंप्यूटर आधारित प्रवेश परीक्षा का आयोजन आगामी माह मई के तृतीय सप्ताह में प्रस्तावित है। जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 30 अप्रैल 2026 तक निर्धारित की गई है। बताया कि युवाओं को तकनीकी शिक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्राविधिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा ह्यपॉलिटेक्निक चलो अभियानह्व संचालित किया जा रहा है। जिसके क्रम में जनपद स्तर पर इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

सेवा निवृत्त पीडब्ल्यूडी 17 कर्मी मेट को अधिशाषी अभियंता अखिलेश कुमार ने भागवत गीता एवं अंग वस्त्र भेंट कर दी शुभकामनाएं

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। चित्रकूट विकासखंड में कार्यरत पीडब्ल्यूडी कर्मचारी मेट रामराज सिंह के सेवानिवृत होने पर कर्वी में आयोजित विदाई समारोह में पहुंचे अधिशाषी अभियंता अखिलेश कुमार ने भगवतगीता एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित करते हुए स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दी। इस दौरान राजकर विभाग के अमित यादव, राज्यकर विभाग के बद्री सागर, डॉ राजवीर सिंह, एडवोकेट रजनीश सिंह यादव, एडवोकेट प्रेम सागर, एडवोकेट रत्नेश सिंह, प्रोफेसर पंकज रैकवार, सुशील सैकड़ो लोग एवं सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

ऑटो पेड़ से टकराया, दो युवकों की मौत महिला समेत 4 लोगों की हालत गंभीर

हादसे के बाद सभी घायलों को शिवरामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया

चित्रकूट। चित्रकूट में झांसी-मिजार्पुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार दोपहर करीब तीन बजे सड़क हादसा हो गया। भरतकूप थाना क्षेत्र के रैली कल्याणपुर के पास तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान राज्जु पटेल (48) निवासी भागवतपुर, भरतकूप और भूरालाल (70) निवासी तरौंहा के रूप में हुई है। हादसे के बाद सभी घायलों को शिवरामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने राज्जु पटेल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, भूरालाल को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घायलों में संपत देवी पत्नी राजकुमार (निवासी मोहनपुरवा, अतर्रा), 32 वर्षीय प्रीति पुत्री कृष्ण कुमार (गोबरिया), महेंद्र पुत्र शिवचरण (लुधवा) और तिजिया पत्नी श्रीकांत शामिल हैं। सभी की हालत नाजुक बताई जा रही है और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि ऑटो भरतकूप से बांदा की ओर जा रहा था। राज्जु पटेल बदौसा थाना क्षेत्र के महुराई गांव में एक निमंत्रण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए किराए के ऑटो से यात्रा कर रहे थे। हादसे के बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया।

भरतकूप थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि ऑटो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराया है। चालक की तलाश की जा रही है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

खनिज इंस्पेक्टर और एसडीएम के आश्वासन पर खत्म हुआ चित्रकूट में किसानों का धरना

चित्रकूट। चित्रकूट के राजापुर तहसील क्षेत्र में तीर घुमाई गंगू घाट को लेकर चल रहा किसानों का धरना समाप्त हो गया है। खनिज इंस्पेक्टर मंटू सिंह और एसडीएम राजापुर फूलचंद्र यादव ने मौके पर पहुंचकर किसानों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

स्थानीय किसान कई दिनों से तीर घुमाई गंगू घाट के संचालक पंकज शुक्ला के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। किसानों का आरोप था कि घाट के संचालन से उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा था और उनकी शिकायतों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही थी।

किसानों ने बताया कि घाट संचालन के कारण सड़क किनारे उनकी फसलें बर्बाद हो रही थीं। इस संबंध में उन्होंने कई बार शिकायतें की थीं, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वे धरने पर बैठ गए।

धरने में गोलू दुबे, अरविंद दुबे, दुर्गेश दुबे, कंचन केवट, रज्जीत, सत्येंद्र यादव और ओम नारायण सहित कई किसान शामिल थे। किसानों की नाराजगी को देखते हुए खनिज इंस्पेक्टर और एसडीएम राजापुर ने धरना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली।

प्रशासनिक अधिकारियों की पहल और समाधान के भरोसे के बाद किसानों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि तीर घुमाई गंगू घाट से जुड़ी समस्याओं का नियमानुसार निस्तारण किया जाएगा और किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत, इलाज के दौरान तोड़ा दम

चित्रकूट। चित्रकूट जिले के भरतकूप थाना क्षेत्र में बुधवार शाम करीब 7 बजे एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने युवक की तलाशी ली, तो उसकी जेब से आधार कार्ड और मोबाइल नंबर मिला। आधार कार्ड के जरिए उसकी पहचान जबरापुर निवासी सुनील कुमार पुत्र राजवा के रूप में हुई। पुलिस ने फोन पर परिजनों को हादसे की सूचना दी। बताया गया कि सुनील कुमार अपने रिश्तेदारों के यहां निमंत्रण में शामिल होने के लिए चित्रकूट आ रहा था, तभी यह हादसा हुआ। भरतकूप थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

गर्भवती महिलाओं और किशोरियों को प्रभारी मंत्री ने बांटा पोषाहार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। विकास भवन कर्वी स्थित समुदाय प्रबन्धित प्रशिक्षण केन्द्र सोनेपुर में बुधवार को सम्पूर्णता अभियान 2.0 का शुभारंभ जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहरलाल (मन्नू कोरी) ने माता सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर किया। यह अभियान आगामी 14 अप्रैल तक संचालित किया जाएगा।

मंत्री ने मॉडल वी.एच.एस.एन.डी. का शुभारंभ करते हुए सत्र में उपस्थित 16 गर्भवती महिलाओं एवं 10 किशोरी बालिकाओं को पोषाहार वितरित किया। साथ ही 15 कुपोषित बच्चों को पोषण किट प्रदान कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान पांच गर्भवती महिलाओं, दो बच्चों एवं 10 किशोरी बालिकाओं का टीकाकरण भी किया गया। मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल ने स्वास्थ्य विभाग एवं आईसीडीएस विभाग के ग्राम स्तरीय कार्यकताओं से कहा कि ईमानदारी, निष्ठा और सेवा भाव के साथ कार्य कर सम्पूर्णता अभियान को सफल बनाए। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएम, आशा एवं सीएचओ से कहा कि पूरी लगन और समर्पण के साथ कार्य करते हुए सम्पूर्णता अभियान 2.0 को जन-जन तक पहुंचाकर सफल बनाएं।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भूपेश द्विवेदी, अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी पी.डी. विश्वकर्मा, बाल विकास परियोजना अधिकारी महेन्द्र पटेल, वीरेन्द्र कुशवाहा, बीएल गुप्ता सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री ने जिले में संचालित विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था का लिया हाल

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री व जनपद के प्रभारी मंत्री मनोहर लाल (मन्नू कोरी) की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जनपद में संचालित विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मंत्री ने सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विभागों की रैंकिंग ह्यएह्व ग्रेड में है, वे अपनी स्थिति वैसी ही बनाए रखें, जबकि ह्यबीह्व, ह्यसीह्व एवं ह्यडीह्व ग्रेड वाले विभाग तत्काल सुधार सुनिश्चित करें। चेतावनी दी कि अगली समीक्षा बैठक में प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विद्युत व्यवस्था के सम्बन्ध मंत्री ने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि खराब ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदला जाए तथा नए विद्युत कनेक्शनों के आवेदनों को लंबित न रखा जाए। उन्होंने शासन की गाइडलाइन के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के संबंध में उप निदेशक कृषि को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे। मंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने और ग्राम पंचायतों में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य चिकित्साधिकारी को अस्पतालों में स्वच्छता, सुरक्षा व्यवस्था, डॉक्टरों की रोस्टर के अनुसार तैनाती सुनिश्चित करने तथा एम्बुलेंस सेवाओं को दुरुस्त रखते हुए मरीजों के प्रति संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता को सड़कों को गड्ढामुक्त रखने, नई सड़कों की गुणवत्ता की निरंतर जांच करने तथा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को गौशालाओं में संरक्षित पशुओं के लिए हरे चारे एवं ठण्ड से बचाव के समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह ने जनपद की कानून व्यवस्था की स्थिति से मंत्री को अवगत कराया। इस दौरान विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर मंत्री ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कैंसर के प्रति जागरूक कर रोकथाम की शपथ भी दिलाई।

बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, डीसी मनरेगा डीएन पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

आसमान में 4 चांद ! भारत के पक्के दोस्त

रूस

रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आकाश प्रेमियों को रात के आकाश में चार चंद्रमाओं के एक साथ चमकने का अद्भुत नजारा देखकर मंत्रमुग्ध कर दिया। यह एक दुर्लभ और आश्चर्यजनक खगोलीय घटना है जिसे पैरासेलेनी के नाम से जाना जाता है। रविवार को सोशल मीडिया पर इस नजारे की तस्वीरें और वीडियो छा गए, जिनमें पृथ्वी के प्राकृतिक उपग्रह के दोनों ओर कई चमकदार गोले दिखाई दे रहे थे। इस अनोखे दृश्य ने ऐसा भ्रम पैदा किया मानो चंद्रमा कई गुना बढ़ गया हो, जिससे दर्शक इस खगोलीय नजारे को लेकर आश्चर्यचकित और उत्सुक हो गए।

यह दुर्लभ घटना क्या है?

इस घटना को आम तौर पर मून डॉग या मॉक मून कहा जाता है। यह कोई खगोलीय घटना नहीं है, बल्कि चंद्रमा के प्रकाश के अपवर्तन के कारण होने वाला एक प्रकाशीय भ्रम है। पैरासेलेना तब बनते हैं जब चंद्रमा से आने वाला प्रकाश पतले, ऊँचाई पर स्थित सिरस या सिरोस्ट्रैटस बादलों से होकर गुजरता है जिनमें चपटे, षट्कोणीय बर्फ के क्रिस्टल होते हैं। जैसे ही प्रकाश इन क्रिस्टलों से होकर मुड़ता है, चंद्रमा के दोनों ओर चमकीले धब्बे दिखाई देते हैं, जिससे कभी-कभी आकाश में कई चंद्रमाओं का आभास होता है।

नासा के अनुसार, पैरासेलेना आमतौर पर चंद्रमा से लगभग 22 डिग्री या उससे अधिक के कोण पर दिखाई देते हैं। ये चंद्रमा की तुलना में बहुत धुंधले होते हैं और इन्हें तब देखना सबसे आसान होता है जब चंद्रमा क्षितिज पर नीचे होता है, क्योंकि कम चकाचौंध के कारण आसपास के प्रकाश पैटर्न अधिक स्पष्ट दिखाई देते हैं। ये चमकीले धब्बे हमेशा क्षितिज से चंद्रमा के समान ऊंचाई पर रहते हैं। इनका आकार और तीव्रता बादलों में बर्फ के क्रिस्टलों की स्थिति और आकार पर निर्भर करती है। जब क्रिस्टल आकार में भिन्न होते हैं या गिरते समय डगमगाते हैं, तो पैरासेलेना लंबवत रूप से फैल सकते हैं, जिससे आकर्षक प्रकाश स्तंभ बनते हैं। स्काईब्रेरी के अनुसार, बड़े बर्फ के क्रिस्टल ऊंचे और अधिक स्पष्ट प्रदर्शन उत्पन्न करते हैं, जिससे नाटकीय प्रभाव और बढ़ जाता है।

ईरान में घुस गई इजरायली सेना? शुरू हुए ताबड़तोड़ ब्लास्ट, हिले खामनेई

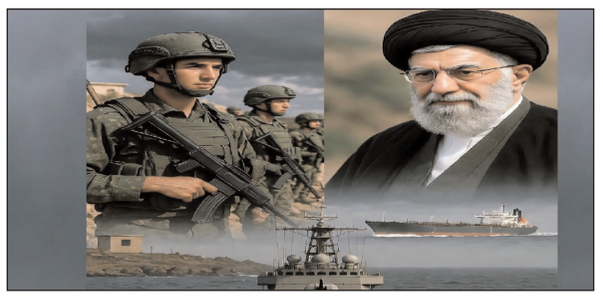

ईरान

जिसका डर था वही हो गया है। ईरान में एक साथ कई धमाकों की खबरों ने पूरे मिडिल ईस्ट को हिलाकर रख दिया है। देश के अलग-अलग शहरों से विस्फोटों की तस्वीरें सामने आ रही है और इसी के साथ ही कई बड़े सवाल अब उठने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के कम से कम सात शहरों में धमाकों की खबरें सामने आई हैं। इन शहरों में राजधानी तेहरान, परंत, तबरीज, कोम, अहवास, नतांच और बंदर अब्बास शामिल है। न्यूज एजेंसी के अनुसार इन धमाकों में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। जबकि 14 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हालांकि ईरान सरकार की ओर से अभी तक कोई भी आधिकारिक आंकड़ों की पुष्टि नहीं की गई है।

वहीं बता दें कि सबसे गंभीर स्थिति जो है वो होमुर्जगंज प्रांत से सामने आई हैं। यहां दो बड़े विस्फोट हुए हैं। जिनके बाद कई इमारतें जमीनदोज हो गई है। मलबे में दबने से कई लोगों की मौतों की खबर सामने आ रही है। अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार यहां पर जारी है। धमाकों के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर अफवाहों की बाढ़ आ गई है। एक खबर यह भी फैलाई गई है कि आईआरजीसी नेवी के कमांडर एडमिरल अली रेट को जो निशाना बनाया गया है यहां पर लेकिन ईरानी मीडिया ने इन खबरों से पूरी तरह से इंकार कर दिया है। इन खबरों को खारिज कर दिया है। इन धमाकों को इसलिए भी बेहद गंभीर माना जा रहा है क्योंकि पिछले साल यानी कि 26 अप्रैल 2025 को इसी इलाके के शाहिद रजाई पोर्ट पर इतिहास का सबसे भीषण विस्फोट हुआ था। उस वक्त कंटेनरों में रखे गए सोडियम पर मिसाइलें फ्यूल की वजह से 70 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी थी और 1200 से अधिक लोग घायल हो गए थे। बंदर अब्बास ईरान के लिए तेल और व्यापार के लिए हाथ से सबसे ज्यादा संवेदनशील इलाका है। राहत की बात आपको यह बता दें कि इन धमाकों का असर मुख्य जो ऑयल रिफाइनरी या फिर कहें कि पाइपलाइंस जो हैं ।

डील नहीं हुई तो वॉर्निंग का सच पचा चल जाएगा, ट्रंप का खामेनेई को खुला चैलेंज

अमेरिका

फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण सैन्य साजो-सामान तैनात किया है, लेकिन दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच वह कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देता है।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान वाशिंगटन के साथ समझौता कर लेगा। यह बयान ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की उस चेतावनी के कुछ घंटों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका द्वारा शुरू किया गया कोई भी संघर्ष क्षेत्रीय युद्ध में बदल जाएगा। ट्रंप ने आगे कहा कि अगर समझौता नहीं होता है, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि खामेनेई की चेतावनी सही थी या नहीं। ट्रंप का कहना है कि अमेरिका ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण सैन्य साजो-सामान तैनात किया है।

फ्लोरिडा स्थित अपने मार-ए-लागो आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण सैन्य साजो-सामान तैनात किया है, लेकिन दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच वह कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देता है। ट्रंप ने कहा कि हमारे सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली जहाज वहां बहुत करीब तैनात हैं, और उम्मीद है कि कुछ दिनों में हम समझौता कर लेंगे। अगर समझौता नहीं हुआ, तो हमें पता चल जाएगा कि वह सही थे या नहीं।

ईरान ने वाशिंगटन को सैन्य कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की ये टिप्पणियां ईरान के सर्वोच्च नेता द्वारा एक्स पर कई पोस्टों में दिए गए कड़े बयानों के जवाब में आईं, जिनमें उन्होंने वाशिंगटन को सैन्य कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा था कि वाशिंगटन को यह समझना चाहिए कि कोई भी युद्ध सीमित नहीं रहेगा।

खामेनेई की पोस्ट में लिखा था, अमेरिकियों को पता होना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा। उन्होंने आगे कहा कि ईरान युद्धपोतों या विमानों से जुड़ी धमकियों से डरने वाला नहीं है। उनकी पोस्ट में यह भी लिखा था, अमेरिकी कभी-कभी युद्ध की बात करते हैं। कहते हैं कि हम युद्धपोतों और विमानों के साथ आएंगे - यह कोई नई बात नहीं है। ईरानी राष्ट्र ऐसी बातों से प्रभावित नहीं होता। उन्हें ऐसी बातों से ईरानी राष्ट्र को डराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

भारत-यूरोपीय संघ FTA से पड़ोसी देशों में हलचल!

पाकिस्तान

भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते ने दक्षिण एशिया के व्यापारिक समीकरणों को पूरी तरह बदल दिया है। इस ऐतिहासिक समझौते से न केवल नई दिल्ली की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि भारत के दो प्रमुख पड़ोसी देशों- पाकिस्तान और बांग्लादेश की रातों की नींद उड़ गई है। यूरोपीय बाजार, जो अब तक इन दोनों देशों के लिए निर्यात का सबसे बड़ा केंद्र था, वहां अब भारतीय सामानों को मिलने वाली ड्यूटी-फ्री एंट्री ने उनकी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को गंभीर चुनौती दी है।

यूरोपीय संघ-भारत FTA एक गेम-चेंजर डील है जो पाकिस्तान और इस्लामाबाद के टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स के लिए यूरोपीय बाजार को बाधित करेगी, उनके व्यापारियों को यह डर है। दोनों के लिए, यूरोप उनका सबसे बड़ा बाजार है। पाकिस्तानी दैनिक डॉन ने एक पाकिस्तानी ट्रेडिंग एसोसिएशन के एक पदाधिकारी के हवाले से कहा, "भारत ने अब एक आर्थिक मोर्चा खोल दिया है," जो इस्लामिक रिपब्लिक पर भारत-यूरोपीय संघ ऋछअ के प्रभाव को बताता है, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नई दिल्ली की सैन्य कार्रवाई के बाद हुआ है।

टेक्सटाइल बाजार में मचेगी खलबली

पाकिस्तान और बांग्लादेश के निर्यात का एक बड़ा हिस्सा टेक्सटाइल और परिधान पर निर्भर है। व्यापारियों को डर है कि भारत-ईयू FTA एक 'गेम-चेंजर' साबित होगा जो उनके बाजार को पूरी तरह बाधित कर सकता है।

पाकिस्तान की प्रतिक्रियाः पाकिस्तानी मीडिया हाउस 'डॉन' के अनुसार, एक व्यापारिक संगठन ने इसे भारत द्वारा खोला गया "आर्थिक मोर्चा" करार दिया है।

अमेरिका में एक बार फिर से सरकार का शटडाउन! ट्रंप की नीतियों के कारण अटका फंडिंग बिल

अमेरिका

अमेरिकी सरकार 31 जनवरी, 2026 को आंशिक रूप से बंद हो गई क्योंकि आधी रात को वित्त पोषण की समय सीमा बीत जाने के बाद भी कांग्रेस ने 2026 के बजट को मंजूरी नहीं दी, हालांकि व्यवधान सीमित रहने की उम्मीद थी क्योंकि प्रतिनिधि सभा अगले सप्ताह की शुरूआत में सीनेट समर्थित समझौते की पुष्टि करने के लिए आगे बढ़ने वाली थी। हालांकि राजनीतिक नेतृत्व का मानना है कि यह शटडाउन ज्यादा लंबा नहीं चलेगा और अगले सप्ताह की शुरूआत में स्थिति सामान्य हो सकती है। अमेरिकी दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया कि यह अकाउंट रेगुलर अपडेट नहीं होगा। इस आंशिक शटडाउन की मुख्य वजह डेमोक्रेटिक पार्टी का विरोध रहा।

डेमोक्रेट सांसदों ने मिनियापोलिस में दो प्रदर्शनकारियों की मौत को लेकर संघीय इमिग्रेशन एजेंट्स की कार्रवाई पर कड़ा एतराज जताया, जिसके चलते फंडिंग पर बातचीत रुक गई। वहीं, शिकागो स्थित मेट्रोपॉलिटन कैपिटल बैंक एंड ट्रस्ट को नियामकों ने बंद कर दिया है। बैंक के ज्यादातर एसेट्स डेट्रॉयट स्थित फर्स्ट इंडिपेंडेंस बैंक को सौंप दिए हैं।

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अभी सेनेट में नहीं पहुंच सके है। हालाकि उन्होंने डेमोक्रेटिक सांसदों से समर्थन की अपील की है।

ट्रंप ने भारत के लिए फैसला सुनाया, दुनिया हैरान!

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कब क्या भूल जाएं कोई नहीं जानता। उनके विरोध तंज करते हैं कि अगर ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति और बड़े उद्योगपति नहीं होते तो निसंदेह भविष्यवक्ता जरूर होते। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत को लेकर एक बड़ा दावा कर दिया है। ट्रंप के मुताबिक भारत अब ईरान से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा बल्कि अब भारत वेनेजुला से तेल खरीदेगा। अब अमेरिका के राष्ट्रपति बताएंगे कि भारत किस देश से तेल खरीदे। अब ट्रंप को लगने लगा है कि अब वह इस काबिल हो गए हैं कि भारत अब

उनके आदेश पर चलेगा। हाल ही के हालातों को देखकर अब ऐसा लगने लगा है कि अब ट्रंप खुद को पूरी दुनिया का राजा मान बैठे हैं और पूरी दुनिया के फैसले अब वही लेने वाले हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से बड़ा और बेहद विवादित दावा किया है। ट्रंप के मुताबिक भारत अब ईरान से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा बल्कि वेनेजुला से तेल खरीदेगा। ट्रंप का कहना है कि इस पर डील हो चुकी है और कांसेप्ट ऑफ डील फाइनल है। लेकिन इस बात की सारी जानकारी केवल ट्रंप के पास है क्योंकि भारत के विदेश मंत्रालय से तो ऐसा कोई बयान सामने आया ही नहीं है। किसी ने भी इस बयान की पुष्टि नहीं करी है। यह बयान ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी से एयरफोर्स वन में बैठकर पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया है। यानी कि भारत की ऊर्जा नीति पर फैसला भारत में नहीं बल्कि अमेरिका के विमान में घोषित किया जाएगा।

पाकिस्तानी सैनिकों की लाशों का लगा ढेर, धमाकों से दहले 12 शहर!

पाकिस्तान

नया साल पाकिस्तान का काल बनकर आया है। भारत ने पीटा उसके बाद अब पाकिस्तान अंदरूनी बगावत की आग में सुलग उठा है। जिससे यह एक बार फिर साफ हो गया है कि पाकिस्तान के टुकड़ों में बटना एकदम तय है। और ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि बलूचिस्तान ने पाकिस्तान सेना को खदेड़ना एक बार फिर से शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जिसे बीएलए के नाम से जानते हैं उसने एक और बार एक बड़ा धमाका एक बड़ा हमला करके पाकिस्तानी सेना को बुरी तरह से हिला कर रख दिया है। बीएलए ने एक साथ 14 शहरों में हमला बोला है जिसमें कम से कम 15 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि हो चुकी है। जबकि कई घायल बताए जा रहे हैं।

कई जगहों पर पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मियों को पोस्ट छोड़कर भागना पड़ा है। सबसे प्रभावित बलूचिस्तान की राजधानी कोटा रही। जहां शहर के कई हिस्सों पर विद्रोहियों ने नियंत्रण कर लिया है। ऑटोमेटिक हथियारों से लेस बीएलए लड़ाके शहर के अंदर देखे गए हैं। ऐसा ही नजारा नुस्की, मस्तंग, कलात और दूसरे शहरों में भी दिखाई दिया है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने कहा है कि हमलों को लेकर मजबूती से जवाब दिया जा रहा है। लेकिन जो आंकड़ा सामने आया है, वह पाकिस्तान की पोल भी खोल रहा है। बता दें कि जिसमें 90 से ज्यादा चरमपंथी मारे गए हैं ऐसा कहना है। जबकि बता दें कि 15 पाकिस्तानी सैनिकों की जान चली गई है।

बीएलए ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के 84

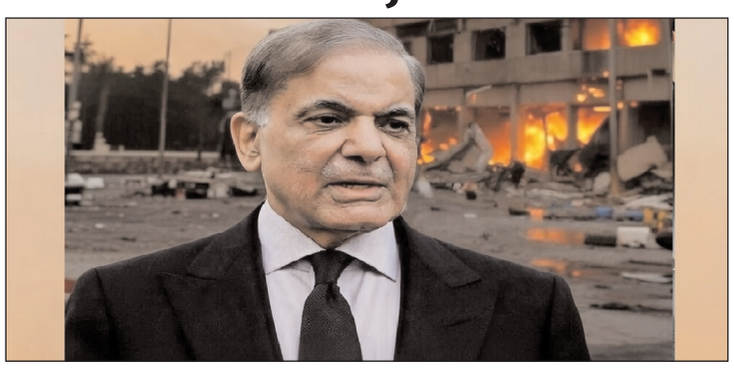

सदस्यों को मारे जाने का दावा तक कर दिया है। समूह ने कहा है कि उसके लड़ाकों ने 14 शहरों में से 48 अलग-अलग जगहों पर हमला किया और इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक नहीं हो सकी है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने इस हमले को ऑपरेशन हेरॉफ फेज 2.0 नाम दिया है। हेरॉफ बलूची भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है काला तूफान। बीएलए ने पहली बार अगस्त 2024 में ऑपरेशन हेरॉफ लॉन्च किया था। जिसमें बलूचिस्तान के 12 जिलों में हमले किए गए थे। जानकारों का कहना है कि ऑपरेशन का समय जानबूझकर तय किया गया है। पड़ोसी ईरान में बड़े विद्रोह प्रदर्शन हो रहे हैं। ईरान में जो इस समय अस्थिरता फैली हुई है उस पर पूरी दुनिया का ध्यान है। ऐसे में बलूचिस्तान में भी जो विद्रोह है उसे एक मौके के रूप में देख रही है और इसका भरपूर फायदा उठाने की कोशिश भी की गई है। अब 2026 के हमले को हेरॉफ 2.0 नाम क्यों दिया गया है? इसका एक महत्वपूर्ण पहलू भी सामने आया है। अगर पाकिस्तानी सेना के 100 से ज्यादा हमलावरों के मारे जाने के दावे अगर सही माने तो तो आसानी से इसे ऐसे समझा जा सकता है कि हमलावरों की संख्या क्या रही होगी। इसके अलावा ऐसा पहली बार हुआ है कि हमलावरों में महिलाएं भी शामिल थी। इससे पहले महिलाएं आत्मघाती भूमिकाओं में शामिल होती थी।

पाकिस्तानी सेना के लिए काल बनी बलूच महिला फिदायीन

बलूचिस्तान

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए), जिसने पाकिस्तान के प्रांत के शहरों और कस्बों में हुए बड़े पैमाने पर समन्वित हमलों की जिम्मेदारी ली है, ने सोमवार को अपने दो हमलावरों की तस्वीरें जारी कीं। दोनों महिलाएं हैं, जिनमें से एक की पहचान 24 वर्षीय आसिफा मेंगल के रूप में हुई है। इस घातक हमले में कम से कम 17 सुरक्षाकर्मियों सहित लगभग 50 लोग मारे गए हैं। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने रविवार को बताया कि जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने 40 घंटे तक चली लड़ाई में अब तक 140 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है। इस बीच, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि दो हमलों में महिला हमलावर शामिल थीं। बलूचिस्तान बलूचिस्तान (बीएलए) ने एक बयान में कहा कि मेंगल मोहम्मद इस्माइल की बेटी और बलूचिस्तान के नुश्की की निवासी थी। 2 अक्टूबर, 2002 को जन्मी मेंगल अपने 21वें जन्मदिन पर बीएलए की मजीद ब्रिगेड में शामिल हुई। फिर उसने जनवरी 2024 में 'फिदायी' (आत्मघाती हमलावर) बनने का फैसला किया और शनिवार को नुश्की स्थित आईएसआई मुख्यालय को उसी ने निशाना बनाया था।

इस बीच, दूसरी महिला हमलावर का नाम अभी तक पता नहीं चला है। एक

वीडियो ऑनलाइन सामने आया है जिसमें वह हमले को अंजाम देने से पहले अपने पुरुष बीएलए साथियों के साथ पाकिस्तानी सरकार का मजाक उड़ाती नजर आ रही है।

वे (पाकिस्तान सरकार) केवल हमारी पीड़ित माताओं और बहनों पर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हैं; वे हमसे सीधे मुकाबला नहीं कर सकते। यह उनकी क्षमता से परे है,ह्व वीडियो में उन्हें एक विशाल बंदूक पकड़े हुए मुस्कुराते हुए सुना जा सकता है। इस बीच, बलूचिस्तान बलूचिस्तान आर्मी अपने 'हीरोफ' (काला तूफान) नामक अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत की है, जिसमें बलूचिस्तान भर में सुरक्षा बलों को निशाना बनाया गया है। दूसरी ओर, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों द्वारा किसी भी शहर या रणनीतिक प्रतिष्ठान पर कब्जा करने के प्रयासों को विफल कर दिया है। 40 घंटों में 145 आतंकवादी, 17 सुरक्षाकर्मी शहीद

बलूचिस्तान प्रांत के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने रविवार को बताया कि अशांत बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवाद विरोधी अभियानों में पिछले 40 घंटों में कम से कम 145 आतंकवादी और 17 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं। क्वेटा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुगती ने बताया कि सभी 145 आतंकवादियों के शव अधिकारियों के कब्जे में हैं और उनकी पहचान की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रांत में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए युद्ध के बाद से दो दिनों से भी कम समय में मारे गए आतंकवादियों की यह सबसे बड़ी संख्या है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा